माघ शुक्ल - 11 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 205 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 20-02-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी सरकार की विकास गतिविधियों के केंद्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र रहा है : अनुराग ठाकुर

6 किसान आंदोलन में छिपा राजनीतिक एजेंडा

7 राजनीति में कदम रखेंगी ईशा देओल, माँ हेमामालिनी ने दिया संकेत

फर्स्ट टेक

अफगानिस्तान में भूस्खलन से 25 की मौत, 10 घायल

काबुल/वार्ता/स्पूतनिक। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत नूरिस्तान में भूस्खलन में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए। अफगान समाचार एजेंसी 'खामा प्रेस' ने अफगान आपदा प्रबंधन मंत्रालय के हवाले से सोमवार को यह खबर दी। समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के सूचना एवं संचार प्रमुख मोहम्मद अब्दुल्ला जान के हवाले से कहा कि प्रांत के नूरगाराम जिले में हालिया बारिश और बर्फबारी के कारण भूस्खलन हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हताहतों के अलावा आपदा के कारण कम से कम 20 घर पूर्ण या आंशिक रूप से नष्ट हो गए।

लद्दाख के करगिल में 5.2 तीव्रता का भूकंप

कारगिल (लद्दाख)/भाषा। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के करगिल जिले में सोमवार रात 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि, इससे किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप रात नौ बजकर 21 मिनट पर आया और इसका केंद्र करगिल से 148 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। इसमें कहा गया है कि भूकंप की गहराई सतह से 10 किलोमीटर नीचे थी। पुलिस ने बताया कि तत्काल किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

पापुआ न्यू गिनी में जनजातीय हिंसा में कम से कम 26 लोगों की मौत

मेलबर्न/एपी। पापुआ न्यू गिनी में दो संघर्षरत जनजातियों के बीच गोलीबारी में कम से कम 26 लड़ाके और अपुष्ट संख्या में वहां खड़े लोग मारे गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। रॉयल पापुआ न्यू गिनी कांस्टेबुलरी के कार्यवाहक अधीक्षक जॉर्ज काकस ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) को बताया कि दक्षिण प्रशांत राष्ट्र के सुदूरवर्ती ईंगा प्रांत में रविवार को एक जनजाति के सदस्य, उनके सहयोगी और भाड़े पर लड़नेवाले सैनिक पड़ोस के एक जनजाति समुदाय के लोगों पर हमला करने के लिए जा रहे थे कि तभी उन पर घात लगाकर हमला किया गया।

20-02-2024 सूर्यास्त 6:15 बजे	21-02-2024 सूर्योदय 6:29 बजे

BSE	NSE
72,708.16 (+281.52)	22,122.25 (+81.55)

सोना	चांदी
6,494 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	76,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मिमियाता पाक

क्या होने वाला है अब,
आशंकित है पाकिस्तानी।
मिमियाने लगे मीडिया में,
बातें कर-कर के बचकानी।
सरकार बनेगी किसकी अब,
वे दिखा रहे निज नादानी।
खुद ही कहने लग गए आज,
हमसे आगे हिन्दुस्तानी।।

आज हम अनुसरण नहीं बल्कि उदाहरण पेश करते हैं : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में श्री कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विकास भी, विरासत भी के मंत्र को आत्मसात करते हुए आज पहली बार भारत उस मुकाम पर है, जहां हम अनुसरण नहीं कर रहे हैं, उदाहरण पेश कर रहे हैं।

कल्कि धाम मंदिर के शिलान्यास के अवसर पर श्री मोदी ने सोमवार को कहा आज एक ओर हमारे तीर्थों का विकास हो रहा है, तो दूसरी ओर शहरों में हाइटेक इनफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार हो रहा है। आज अगर मंदिर बन रहे हैं, तो देश भर में नए मेडिकल कॉलेज भी बन रहे हैं। आज विदेशों से हमारी प्राचीन मूर्तियाँ भी वापस लाई जा रही हैं, और रिकॉर्ड संख्या में विदेशी निवेश भी आ रहा है। ये परिवर्तन और प्रमाण इस बात का है समय का चक्र घूम चुका है। एक नया दौर आज हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। उन्होंने कहा भारत पराभव से भी विजय को खींचकर के लाने वाला राष्ट्र है। हम पर सैकड़ों वर्षों तक इतने आक्रमण हुये। कोई और देश होता, कोई और समाज होता तो लगातार इतने आक्रमणों की चोट से पूरी तरह नष्ट हो गया होता। फिर भी, हम न केवल डटे रहे, बल्कि और भी ज्यादा मजबूत होकर सामने आए। आज सदियों के वो बलिदान फलीभूत हो रहे हैं। आज भारत के अमृतकाल में भारत के गौरव, भारत के उत्कर्ष और भारत के सामर्थ्य का बीज अंकुरित हो रहा है। एक के बाद एक, हर क्षेत्र में कितना कुछ नया हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आज पहली बार भारत उस मुकाम पर है, जहां हम अनुसरण नहीं कर रहे हैं, उदाहरण पेश कर रहे हैं। आज पहली बार भारत को टेक्नोलॉजी और डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में संभावनाओं के केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। हमारी पहचान इनोवेशन हब के तौर पर हो रही है।

'7 भव्य तमिल सपने' पर आधारित तमिलनाडु सरकार ने बजट किया पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपना बजट पेश किया, जिसमें 'सात भव्य तमिल सपने' को आधार बनाया गया। इसके मूल में सामाजिक न्याय एवं महिला कल्याण शामिल है। वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने बजट पेश किया और कई घोषणाएं कीं। इसमें दिवंगत द्रमुक संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के नाम पर एक आवासीय योजना 'कलैग्नारिन कनावु इलम' शामिल है।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत 2030 तक राज्य भर के ग्रामीण इलाकों को 'झोपड़ी-मुक्त' बनाने के लिए आठ लाख कंक्रीट के मकान बनाए जाएंगे। थेन्नारसु ने अपने बजट भाषण में कहा कि सामाजिक न्याय, हाशिये पर पड़े लोगों का कल्याण, तमिल युवाओं को वैश्विक स्तर पर सफल बनाना सात लक्ष्यों में से एक है। अन्य बातों के अलावा उन्होंने नगर निगमों के आसपास के क्षेत्रों की सड़कों सहित नागरिक सुविधाओं के लिए बजट में 300 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की।

थेन्नारसु ने कहा कि राज्य ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबी उन्मूलन में बहुत महत्वपूर्ण प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि नीति आयोग के अनुसार तमिलनाडु में गरीबी रेखा से नीचे केवल 2.2 प्रतिशत लोग हैं।

संदेशखालि में महिलाओं की आवाज दबा रही बंगाल सरकार

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू हो : रेखा शर्मा

कोलकाता/भाषा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर संदेशखालि में महिलाओं की आवाज को दबाने का आरोप लगाते हुए राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की। वहीं, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने आरोप लगाया कि आयोग ''भाजपा के प्रभाव'' में काम कर रहा है। संदेशखालि में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेताओं द्वारा कथित अत्याचार को लेकर विरोध-प्रदर्शन हुए थे।

शर्मा ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, इलाके की महिलाओं से बात करने के बाद, मुझे पता चला कि संदेशखालि में स्थिति भयानक है। कई महिलाओं ने अपनी आपबीती सुनाई। उनमें से एक ने कहा कि यहां टीएमसी पार्टी कार्यालय के अंदर उसके साथ बलात्कार किया गया था। हम अपनी रिपोर्ट में इसका भी उल्लेख करेंगे। हमारी मांग है कि बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। भाजपा के प्रभाव में काम करने के टीएमसी के आरोपों से जुड़े सवाल पर शर्मा ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

हूती विद्रोहियों के हमले में बेलिजे के ध्वज वाले जहाज को भारी नुकसान

दुबई/एपी। लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ने वाले बाब अल-मनदेब जलडमरूमध्य में हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले में मध्य अमेरिकी देश बेलिजे के ध्वज वाले जहाज को भारी नुकसान हुआ है, जिसके चलते चालक दल के सदस्यों को जहाज खाली करना पड़ा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने बताया कि रविवार को हूती विद्रोहियों के हमले की चपेट में आए जहाज को काफी नुकसान हुआ है। केंद्र ने कहा, सैन्य अधिकारियों ने बताया है कि चालक दल ने जहाज खाली कर दिया है। जहाज को किनारे लाकर खड़ा कर दिया गया है और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। हूती ब्रिगेडियर जनरल याहया सारी ने एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली है और कहा है कि जहाज पर अब डूबने का खतरा मंडरा रहा है।

किसान नेताओं ने केंद्र का प्रस्ताव किया खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। 'दिल्ली चलो' आंदोलन में भाग ले रहे किसान नेताओं ने सरकारी एजेंसियों द्वारा पांच साल तक दाल, मक्का और कपास की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किए जाने के केंद्र के प्रस्ताव को सोमवार को खारिज करते हुए कहा कि यह किसानों के हित में नहीं है तथा बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी कूच करने का ऐलान किया।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा, ''हम सरकार से अपील करते हैं कि या तो हमारे मुद्दों का समाधान किया जाए या अवरोधक हटाकर हमें शांतिपूर्वक विरोध-प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली जाने की अनुमति दी जाए।'' किसानों के साथ वार्ता के बाद, तीन केंद्रीय मंत्रियों की एक समिति ने दाल, मक्का और कपास सरकारी एजेंसियों द्वारा एमएसपी पर खरीदने के लिए पांच वर्षीय समझौते का प्रस्ताव दिया था।

तीन केंद्रीय मंत्रियों - पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा और नित्यानंद राय की समिति ने रविवार को चंडीगढ़ में चौथे दौर की वार्ता के दौरान किसानों के समक्ष यह प्रस्ताव रखा था।

इससे पहले, 2020-21 में किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने सरकार के प्रस्ताव को सोमवार को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इसमें किसानों की एमएसपी की मांग को ''भटकाने और कमजोर करने'' की कोशिश की गई है और वे स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट में अनुशंसित एमएसपी के लिए 'सी -2 प्लस 50 प्रतिशत' फूर्मला से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे। बाद में, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा, ''हमारे दो मंचों पर (केंद्र के प्रस्ताव पर) चर्चा करने के बाद यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र का प्रस्ताव किसानों के हित में नहीं है और हम इस प्रस्ताव को अस्वीकार करते हैं।''

यह पूछे जाने पर कि क्या 'दिल्ली मार्च' का उनका आह्वान अभी भी बरकरार है, पंधेर ने कहा, ''हम 21 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे दिल्ली के लिए शांतिपूर्वक कूच करेंगे।''

किसानों के साथ रविवार रात चौथे दौर की बातचीत के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, ''राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ जैसी सहकारी समितियां 'अरहर दाल', 'उड़द दाल', 'मसूर दाल' या मक्का का उत्पादन करने वाले किसानों के साथ एक अनुबंध करेंगी ताकि उनकी फसल को अगले पांच साल तक एमएसपी पर खरीदा जाए।''

उन्होंने कहा था, ''खरीद की मात्रा की कोई सीमा नहीं होगी और इसके लिए एक पोर्टल विकसित किया जाएगा।''

पूर्व आपदा चेतावनी प्रणाली विकसित करके

मोदी सरकार ने लाखों लोगों की जान बचाई : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुपक्षीय आपदा प्रबंधन योजना लागू की है और इसके तहत सरकार ने त्वरित कार्रवाई बल स्थापित करने के साथ ही पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की है जिससे लाखों लोगों की जान बचाने में मदद मिली।

शाह ने कहा कि एक आपदा रोधी देश के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री ने आपदाओं के प्रति भारत की प्रतिक्रिया में 'शून्य-हताहत' दृष्टिकोण अपनाया है और अब आपदा प्रतिक्रिया दल हर व्यक्ति को सुरक्षित करने के लक्ष्य से प्रेरित होकर पूरी तरह से पेशेवर बल के रूप में काम करते हैं।

शाह ने 'एक्स' पर 'आपदा रोधी भारत' हैशटैग के साथ पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक बहुपक्षीय आपदा प्रबंधन योजना लागू की है। इस दृष्टिकोण के तहत मोदी सरकार ने त्वरित प्रतिक्रिया बल स्थापित किए और सतर्क पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की जिससे लाखों लोगों की जान बचाई गई।

गृह मंत्री ने कहा कि मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज किसी भी आपदा से निपट सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार के 'मिशन जीरो कैजुअल्टी' (हताहतों की संख्या शून्य रखने का अभियान) के कारण 'बिपरजॉय' जैसा विनाशकारी चक्रवात आने पर भी किसी की जान नहीं गई।

यह चक्रवात पिछले साल जून में गुजरात में आया था।

मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज किसी भी आपदा से निपट सकता है।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सेना उपप्रमुख का पदभार ग्रहण किया

नई दिल्ली/भाषा। लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सोमवार को लेफ्टिनेंट जनरल एम. वी. सुचिन्द्र कुमार की जगह सेना के उपप्रमुख का पदभार ग्रहण किया। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी इससे पहले नॉर्थन आर्मी कमांडर के पद पर कार्यरत थे। लेफ्टिनेंट जनरल कुमार को उधमपुर स्थित नॉर्थन कमांड का जनरल-ऑफिसर-कमांडिंग नियुक्त किया गया है। मौजूदा सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे 31 मई को सेवानिवृत्त होंगे। उनके बाद सेना प्रमुख बनने की दौड़ में लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सबसे आगे हैं। अपनी नई जिम्मेदारी संभालने से पहले लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने यहां राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद नायकों को श्रद्धांजलि दी और गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

शिवाजी की प्रतिमा के अनावरण के बाद पथराव में गोवा के मंत्री घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। सोमवार को दक्षिण गोवा के एक गांव में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण के बाद पथराव में गोवा के मंत्री सुभाष फल देसाई घायल हो गए। कुछ लोगों द्वारा मराठा सम्राट की मूर्ति स्थापित करने के बाद रविवार को मडगांव शहर के पास साओ जोस डी एरियाल गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। मूर्ति स्थापित करने पर एक अन्य समूह ने आपत्ति जताई थी।

आज मराठा सम्राट की 394वीं जयंती है और इसे मनाने के लिए राज्य भर में कई जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। पथराव दोपहर में तब हुआ जब मंत्री प्रतिमा का अनावरण करने के बाद अपनी कार में बैठ रहे थे।

राज्य के समाज कल्याण मंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, गांव में मेरी उनके साथ एक संक्षिप्त चर्चा के बाद मूर्ति की स्थापना का विरोध करने वाली भीड़ ने पथराव किया। उन्होंने बताया कि उन्हें कुछ पत्थर लगे और उनको हल्की चोट आई है।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि सांप्रदायिक सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए वह पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराएंगे। देसाई ने कहा कि उन्होंने पीड़ित ग्रामीणों से बातचीत शुरू की थी, जो बेनतीजा रही। उन्होंने बताया कि यह मूर्ति एक मुस्लिम निवासी द्वारा दान की गई निजी संपत्ति में स्थापित की गई है।

साओ जोस डी एरियाल के ग्रामीण रविवार से प्रतिमा की स्थापना का विरोध कर रहे हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में पुलिस तैनात की गई है।

पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) सुनीता सावंत ने कहा, स्थिति नियंत्रण में है और गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। रविवार को गांव का दौरा करने वाले देसाई ने पहले कहा था, छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

ऋण धोखाधड़ी मामले में चंदा कोचर और उनके पति की गिरफ्तारी सत्ता का दुरुपयोग : उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बम्बई उच्च न्यायालय ने ऋण धोखाधड़ी मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चंदा कोचर तथा उनके पति दीपक कोचर की गिरफ्तारी को 'सत्ता का दुरुपयोग' करार देते हुए कहा कि कोचर दंपती की गिरफ्तारी 'बिना सोचे समझे' और कानून का उचित पालन किए बिना की गई थी।

न्यायमूर्ति अनुजा प्रभुदेसाई और न्यायमूर्ति एन. आर. बोरकर की खंडपीठ ने छह फरवरी को कोचर की गिरफ्तारी को अवैध ठहराया था और जनवरी 2023 में एक अन्य पीठ द्वारा उन्हें जमानत देने के अंतरिम आदेश की पुष्टि की थी। सोमवार को उपलब्ध कराए गए आदेश के अनुसार, अदालत ने कहा कि सीबीआई उन परिस्थितियों या सहायक तथ्यों के अस्तित्व को प्रदर्शित करने में असमर्थ रही है, जिसके आधार पर गिरफ्तारी का निर्णय लिया गया था। इसमें कहा गया है कि इन परिस्थितियों और तथ्यों की अनुपलब्धता गिरफ्तारी को अवैध बना देती है।

अदालत ने कहा, सोच विचार किए बिना और कानून का उचित सम्मान किए बिना इस तरह की नियमित गिरफ्तारी शक्ति का दुरुपयोग है। अदालत ने जांच एजेंसी की इस दलील को भी मानने से इनकार कर दिया कि गिरफ्तारी इसलिए की गई, क्योंकि कोचर जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे और कहा कि आरोपियों को पूछताछ के दौरान चुप रहने का अधिकार है। आदेश में कहा गया है, चुप रहने का अधिकार संविधान के

अनुच्छेद 20(3) से निकलता है, जो आरोपी को आत्म-दोषारोपण के खिलाफ अधिकार देता है। यह कहना पर्याप्त है कि चुप रहने के अधिकार के इस्तेमाल को जांच में असहयोग के रूप में नहीं देखा जा सकता। 'वीडियोकॉन-आईसीआईसीआई' बैंक ऋण मामले में सीबीआई ने 23 दिसंबर, 2022 को कोचर दंपती को गिरफ्तार किया था। उन्होंने तुरंत गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया और इसे गैर-कानूनी घोषित करने की मांग की तथा अंतरिम आदेश के माध्यम से जमानत पर रिहा करने की मांग की।

अदालत ने नौ जनवरी, 2023 को एक अंतरिम आदेश जारी करके कोचर दंपती को जमानत दे दी। पीठ ने छह फरवरी के आदेश में कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 41ए को नियमित गिरफ्तारी से बचने के लिए लागू किया गया था। इसमें कहा गया है कि यह प्रावधान गिरफ्तारी की शक्ति को प्रतिबंधित करता है, यदि कोई आरोपी पूछताछ के लिए उपस्थित होने को लेकर पुलिस की ओर से जारी किए नोटिस पर अमल करता है तथा यह आदेश देता है कि गिरफ्तारी केवल तभी की जाएगी, जब पुलिस की राय में ऐसा करना आवश्यक हो। अदालत ने माना कि हालांकि किसी आरोपी से पूछताछ करना और मुद्दे पर व्यक्तिपरक संतुष्टि पर पहुंचना जांच एजेंसी के अधिकार क्षेत्र में है, लेकिन यह 'न्यायिक समीक्षा से पूरी तरह से मुक्त' नहीं है। पीठ ने यह भी कहा कि कोचर दंपती के खिलाफ प्राथमिकी 2019 में दर्ज की गई थी और उन्हें 2022 में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। इसमें कहा गया है, अपराध की गंभीरता के बावजूद, याचिकाकर्ताओं (कोचर दंपती) से अपराध दर्ज होने की तारीख से तीन साल से अधिक की अवधि तक पूछताछ नहीं की गई या उन्हें बुलाया नहीं गया। पीठ ने कहा कि जून 2022 से जब भी कोचर दंपती को धारा 41ए के तहत नोटिस जारी किया गया, तब वे सीबीआई के सामने पेश होते रहे। सीबीआई ने दावा किया था कि कोचर को गिरफ्तार किया गया था क्योंकि वे जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे और साजिश के पूरे पहलू का पता लगाने के लिए उनसे हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता थी।

कांग्रेस और कमलनाथ ने अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की, न्याय यात्रा में शामिल होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पार्टी से रिश्ता तोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने संबंधी अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के प्रदेश में पहुंचने के बाद इसमें शामिल होंगे।

दूसरी तरफ, कमलनाथ ने भी इन अटकलों पर विराम लगाने का प्रयास किया और अपने करीबी नेता सज्जन सिंह वर्मा के माध्यम से यह संदेश दिया कि वह पार्टी छोड़कर नहीं जा रहे हैं तथा उनके पुत्र नकुलनाथ एक बार फिर से छिंदवाड़ा लोकसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर ही चुनाव लड़ेंगे। पार्टी महासचिव और मध्य प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह ने दावा किया कि कमलनाथ को लेकर जो अटकलें और दुष्प्रचार हैं, वे सब भाजपा का किया धरा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, कमलनाथ जी हमारे बहुत ही वरिष्ठ नेता हैं। जो भी अटकलें चल रही हैं, ये सब भाजपा और मीडिया के एक हिस्से द्वारा फैलाया गया दुष्प्रचार है। सिंह के अनुसार, कमलनाथ जी से मेरी कल (रविवार) भी बात हुई, परसों (शनिवार) भी बात हुई थी।

बुजुर्गों के लिए अनिवार्य बचत, आवास योजनाओं की जरूरत : नीति रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग ने बुजुर्गों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कर सुधारों, अनिवार्य बचत और आवास योजनाओं की वकालत की है।

आयोग के मुताबिक 2050 तक देश की आबादी में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 19.5 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। नीति आयोग ने एक रिपोर्ट में कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल विकसित किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया, चूंकि भारत में सामाजिक सुरक्षा ढांचा सीमित है, इसलिए अधिकांश वरिष्ठ नागरिक अपनी बचत से मिलने वाली आय पर निर्भर रहते हैं। ब्याज दरों में कमी होने की स्थिति में उनकी आय में कमी आती है। कभी-कभी यह आजीविका से भी कम हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसलिए वरिष्ठ नागरिक जमा पर मिलने वाली ब्याज के लिए एक न्यूनतम दर तय करने के लिए एक नियामक व्यवस्था की जरूरत है। 'भारत में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल में सुधार - वरिष्ठ देखभाल प्रतिमान की पुनर्कल्पना' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि बुजुर्ग महिलाओं को अधिक रियायत देने से उनकी वित्तीय स्थिति बेहतर होगी। भारत में इस समय बुजुर्गों की आबादी कुल जनसंख्या का 10 प्रतिशत से कुछ अधिक है।

सद्भाव, सहयोग और सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने की जरूरत : विजयन

तिरुवल्ला (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने देश में विभिन्न धर्मों और धार्मिक मान्यताओं के बीच दरार पैदा करने के प्रयासों को लेकर सोमवार को लोगों को आगाह किया और कहा कि मौजूदा समय में सद्भाव तथा सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री ने यहां मलंकारा मार्थोमा सीरियन चर्च के प्रमुख थियोडोसियस मार्थोमा मेट्रोपॉलिटन के 75वें जन्मदिन समारोह के दौरान यह टिप्पणी की। विजयन ने कहा, आज, निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा विभिन्न धर्मों और धार्मिक मान्यताओं के बीच शत्रुता पैदा करने के जानबूझकर प्रयास किए जा रहे हैं।

किसी विशेष राजनीतिक दल, संगठन या व्यक्ति का नाम लिए बिना उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ ताकतें उन लोगों के बीच भी दरार पैदा करने में सक्षम हैं, जिन्हें एकजुट होना चाहिए। केरल के मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में गिरजाघर के भीतर और बाहर मार्थोमा मेट्रोपॉलिटन जैसी हस्तियों द्वारा रखा जा रहा मानवीय दृष्टिकोण समाज को एक उम्मीद देता है।

आने वाले महीनों में नीतिगत दर रेपो में कटौती की उम्मीद : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को भरोसा जताया कि मुद्रास्फीति के काबू में आने के साथ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नीतिगत दर में कटौती करेगा। नीतिगत दर रेपो फरवरी, 2023 से 6.5 प्रतिशत के उच्चस्तर पर बनी हुई है। आरबीआई महंगाई को काबू में लाने के लिए रेपो दर का उपयोग करता है। गोयल ने कहा कि देश की आर्थिक बुनियाद मजबूत है और महंगाई नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि भारत में 10 साल की औसत महंगाई दर करीब 5 से 5.5 प्रतिशत रही है।

यह सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला दशक था और इसके कारण, ब्याज दर में उल्लेखनीय रूप से कमी आई और केंद्रीय बैंक मजबूत हुआ तथा अब वह ब्याज दर को नीचे लाने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा, बेशक पिछले डेढ़ साल में, यूक्रेन-संकट के बाद, ब्याज दर में फिर से 2.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। लेकिन अब जब मुद्रास्फीति काफी हद तक नियंत्रण में है, मुझे उम्मीद है कि ब्याज दर की स्थिति पलटेगी और जल्दी ही इसमें कमी आएगी। भले ही ब्याज दर में यह कमी अगली मौद्रिक नीति समीक्षा में हो या फिर उसके बाद वाली दूसरी मौद्रिक नीति समीक्षा में। यदि रिजर्व बैंक रेपो दर में कटौती करता है, तो कंपनियों और व्यक्तियों दोनों के लिए कर्ज लेने की लागत कम हो जाएगी और फलत: ईएमआई (कर्ज की मासिक किस्त) कम होगी। केंद्रीय बैंक ने आठ फरवरी को लगातार छठी बार नीतिगत दर रेपो को 6.5% पर बरकरार रखा था।

हिंदू पक्ष की भोजशाला परिसर की 'वैज्ञानिक जांच' की गुहार पर न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। ऐतिहासिक धार शहर की भोजशाला को वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर बताने वाले हिंदू पक्ष ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय से सोमवार को गुहार की कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को इस विवादित परिसर की समयबद्ध वैज्ञानिक जांच के निर्देश दिए जाएं। उच्च न्यायालय ने सभी संबंधित पक्षों की दलीलें सुनकर इस गुहार पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा ने भोजशाला मसले में याचिका दायर करने वाले सामाजिक संगठन ''हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस'' के आवेदन पर सभी संबंधित पक्षों के तर्क सुने और भोजशाला परिसर की ''वैज्ञानिक जांच'' की गुहार पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस आवेदन पर उच्च न्यायालय में बहस के दौरान ''हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस'' की ओर से कहा गया कि एएसआई के निदेशक को निर्देश दिए जाने चाहिए कि वह करीब 1,000 साल पुराने भोजशाला परिसर की वैज्ञानिक जांच अथवा सर्वेक्षण अथवा खुदाई अथवा ''ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार'' (जीपीआर) सर्वेक्षण समयबद्ध तरीके से कराएं और इसकी रिपोर्ट अदालत के सामने पेश करें।

भोजशाला के सरस्वती मंदिर होने के अपने दावे के समर्थन में हिंदू पक्ष ने उच्च न्यायालय के सामने इस परिसर की रंगीन तस्वीरें भी पेश की हैं। भोजशाला, केंद्र सरकार के अधीन एएसआई का संरक्षित स्मारक है।

एएसआई के सात अप्रैल 2003 के आदेश के अनुसार चली आ रही व्यवस्था के मुताबिक हिंदुओं को प्रत्येक मंगलवार भोजशाला में पूजा करने की अनुमति है, जबकि मुस्लिमों को हर शुक्रवार इस जगह नमाज अदा करने की इजाजत दी गई है। एएसआई के करीब 21 साल पुराने आदेश को चुनौती देते हुए हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से अदालत में कहा गया कि यह फरमान भोजशाला परिसर की वैज्ञानिक जांच के बगैर जारी किया गया था और नियम-कायदों के मुताबिक किसी भी मंदिर में नमाज अदा किए जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। एएसआई की ओर से उच्च न्यायालय में बहस के दौरान कहा गया कि उसने 1902 और 1903 में भोजशाला परिसर की स्थिति का जायजा लिया था और इस परिसर की वैज्ञानिक जांच की मौजूदा गुहार को लेकर उसे कोई भी आपत्ति नहीं है। मुस्लिम समुदाय भोजशाला परिसर को कमाल मौला की मस्जिद बताता है। इस मस्जिद से जुड़ी मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी ने एएसआई के हाथों भोजशाला परिसर की वैज्ञानिक जांच कराने की मांग संबंधी ''हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस'' की अर्जी पर आपत्ति जताई।

भूस्खलन के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

श्रीनगर/भाषा। रामबन जिले में भारी बारिश से हुए भूस्खलन के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग सोमवार को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लोगों को मौसम में सुधार होने तक राजमार्ग पर यात्रा करने से बचने के लिए कहा गया है। यातायात विभाग के एक अधिकारी ने बताया ''रामबन के मेहद-कैफेटेरिया और बनिहाल इलाके के तबेला चामलवास में भूस्खलन के कारण श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर यातायात बंद कर दिया गया है। लोगों को मुख्य सड़क के संवेदनशील इलाकों में फंसने से बचाने के लिए अधिकारियों ने राजमार्ग पर यातायात को रोक दिया है।

ओडिशा : जुए के अड्डे पर छापेमारी के दौरान महिला पुलिसकर्मी से धक्का-मुक्की

बालासोर/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले में जुए के एक अड्डे पर छापेमारी के दौरान बदमाशों ने एक महिला पुलिस निरीक्षक के साथ कथित तौर पर धक्का-मुक्की की और उसे बंदी बना लिया। पुलिस के अनुसार, तलसारी मरीन पुलिस थाने की प्रभारी निरीक्षक (आईआईसी) चंपावती सोरेन अपने तीन कर्मचारियों के साथ रविवार रात गश्त कर रही थीं। इस दौरान सूचना के आधार पर पुलिस के दल ने उदयपुर गांव के एक मकान में छापेमारी की जहां जुआ खेला जा रहा था। पुलिस ने बताया कि कुछ स्थानीय लोग पुलिस दल को देखकर इकट्ठा हो गए और उनके साथ धक्का-मुक्की करने लगे। आरोप है कि उन्होंने महिला पुलिस अधिकारी को अन्य कर्मियों के साथ एक कमरे में बंद कर दिया।

भोगराई पुलिस थाने और चंदनेश्वर चौकी से पुलिस बल मौके पर पहुंचा और पुलिस अधिकारी तथा उसके कर्मियों को बचाया। जलेश्वर के उप-मंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) दिलीप साहू ने कहा कि जुआ खेले जाने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आईआईसी और उनके कर्मचारी वहां पहुंचे। गश्त के दौरान मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस कर्मियों और स्थानीय लोगों के बीच बहस हो गई। स्थानीय लोगों ने आईआईसी के साथ धक्का-मुक्की की और उन्हें बंदी बना लिया।

ओएनजीसी का मुंबई हाई: 50 साल बाद भी बुलंद हैं इरादे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रमुख और सबसे बड़े तेल क्षेत्र मुंबई हाई की खोज 50 साल पहले आज के दिन हुई थी। इसके साथ शुरू होने वाले ज्यादातर क्षेत्रों से आज की तारीख में उत्पादन बंद हो चुका है,लेकिन अरब सागर में स्थित मुंबई हाई के इरादे अभी भी बुलंद हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने इस क्षेत्र की स्वर्ण जयंती मनाने के लिए मुंबई में एक समारोह का आयोजन किया।

कंपनी ने कहा, पिछले 50 वर्षों में मुंबई हाई ने 52.7 करोड़ बैरल तेल और 221 अरब घनमीटर गैस का उत्पादन किया है, जो अबतक देश के घरेलू उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत है। मुंबई हाई फील्ड (पहले बॉम्बे हाई फील्ड) भारत के पश्चिमी तट से अरब सागर में लगभग 160 किलोमीटर दूर स्थित है। इसकी खोज फरवरी 1974 में रूसी और भारतीय टीम ने की थी।

इस क्षेत्र में 21 मई, 1976 को उत्पादन शुरू हुआ था। शुरुआत में प्रतिदिन 3,500 बैरल तेल का उत्पादन होता था और तीन साल के भीतर यह 80,000 बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया। क्षेत्र से तेल को मुंबई की रिफाइनरियों तक ले जाने के लिए 1978 में एक उप-समुद्री पाइपलाइन बिछाई गई थी। उससे पहले तक कच्चा तेल टैंकरों में भेजा जाता था।

इसके बाद 1989 में इस क्षेत्र से तेल उत्पादन बढ़कर 4,76,000 बैरल प्रतिदिन और 28 अरब घनमीटर गैस प्रतिदिन तक पहुंच गया। उसके बाद से उत्पादन में धीरे-धीरे गिरावट देखी जा रही है।

इस समय मुंबई हाई से प्रति दिन लगभग 1,35,000 बैरल तेल और 13 अरब घनमीटर गैस का उत्पादन हो रहा है।

तेल और गैस उत्पादन में गिरावट के कारण पुनर्विकास योजनाएं शुरू की गईं। पिछले कुछ वर्षों में मुंबई हाई के पास चार पुनर्विकास योजनाएं हैं, जिनमें अरबों डॉलर का निवेश किया गया है।

इस क्षेत्र में अब भी भंडार है, जिससे कुछ और वर्षों तक उत्पादन जारी रखा जा सकता है।

स्वर्ण जयंती समारोह में पश्चिमी अपतटीय क्षेत्रों से जुड़े पूर्व चेयरमैन और निदेशकों को सम्मानित किया गया। इसमें पूर्व चेयरमैन आर एस शर्मा और डी के सर्राफ शामिल हैं।

कंपनी ने एक बयान में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के हवाले से कहा कि मुंबई हाई का 50 साल का सफल सफलतापूर्वक पूरा होना एक असाधारण और गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है।

मायावती ने लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की बात दोहराई

लखनऊ/भाषा। बसपा की प्रमुख मायावती ने फिर दोहराया कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अफवाहों से सावधान रहने को कहा। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, लोकसभा चुनाव के लिए बसपा किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं कर रही है। बार-बार घोषणा के बावजूद आए दिन गठबंधन को लेकर अफवाह फैलाना यह साबित करता है कि बसपा के बिना कुछ पार्टियों की यहां सही से दाल नहीं गलने वाली, जबकि बसपा के लिए अपने लोगों का हित सर्वोपरि है।

पुरानी कर मांगों को वापस लेने के मामले में प्रति करदाता एक लाख रुपए तक की सीमा तय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने छोटी कर मांगों को वापस लेने को लेकर बजट में की गई घोषणा के तहत प्रति करदाता एक लाख रुपए तक की सीमा निर्धारित की है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024-25 के लिए अपने अंतरिम बजट भाषण में आकलन वर्ष 2010-11 तक 25,000 रुपए और आकलन वर्ष 2011-12 से 2015-16 तक 10,000 रुपए तक की बकाया प्रत्यक्ष कर मांगों को वापस लेने की घोषणा की। इसमें शामिल कुल कर मांग करीब 3,500 करोड़ रुपए है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 2024-25 के अंतरिम बजट में की गई घोषणा को अमल में लाने के लिए यह आदेश जारी किया।

सीबीडीटी ने आदेश में कहा है कि 31 जनवरी, 2024 तक आयकर, संपत्ति कर और उपहार कर से संबंधित ऐसी बकाया कर मांगों को माफ करने को लेकर प्रति करदाता के लिए एक लाख रुपए की अधिकतम सीमा तय की गई है।

एक लाख रुपए की सीमा में कर मांग की मूल राशि, ब्याज, जुर्माना या शुल्क, उपकर, अधिभार शामिल है।

हालांकि, आयकर अधिनियम के टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) या टीसीएस (स्रोत पर कर संग्रह) प्रावधानों के तहत कर कटौती करने वालों कर संग्राहकों के खिलाफ की गई मांगों पर यह छूट लागू नहीं होगी।

नांगिया एंडरसन इंडिया के भागीदार मनीष बावा ने कहा कि निर्देश यह स्पष्ट करता है कि यह छूट करदाताओं को 'क्रेडिट' या 'रिफंड' के किसी भी दावे का अधिकार नहीं देता है।

इसके अतिरिक्त, छूट करदाता के खिलाफ चल रही, नियोजित या संभावित आपराधिक कानूनी कार्यवाही को प्रभावित नहीं करेगी और किसी भी कानून के तहत कोई प्रतिरक्षा प्रदान नहीं करती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा था, बड़ी संख्या में कई छोटी-छोटी प्रत्यक्ष कर मांग बही-खातों में लंबित है। उनमें से कई मांग वर्ष 1962 से भी पुरानी हैं। इससे ईमानदार करदाताओं को परेशानी होती है और रिफंड को लेकर समस्या होती है।

ओडिशा के कांग्रेस विधायक को पोस्टर, बैनर के जरिए मिली जान से मारने की धमकी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के बोलांगिर जिले के कांटाबांजी शहर में कांग्रेस विधायक संतोष सिंह सलूजा को जान से मारने की धमकी वाले बैनर और पोस्टर लगे हुए मिले। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। लोगों ने सलूजा को 15 दिन में जान से मारने की धमकी वाले पोस्टर देखने के बाद कांटाबांजी पुलिस को सूचना दी जिसने पोस्टर जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कांटाबांजी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक सलूजा ने कहा कि उन्हें राजनीतिक कारणों से जान से मारने की धमकी दी गई है। वरिष्ठ विधायक ने कहा,''इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से मुझे घटना की जानकारी मिली। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए दिन-रात काम कर रहा हूं। इस समय कोई सीधे तौर पर पोस्टर लगाकर मुझे मारने की धमकी दे रहा है जो हैरान कर देने वाला है। उन्होंने कहा,''मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए अपनी जान की परवाह नहीं करता। एक सलूजा मरेगा तो सैकड़ों सलूजा जन्म लेंगे।

दिल्ली में गंभीर संवैधानिक संकट पैदा हो गया है : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर संवैधानिक संकट पैदा हो गया है क्योंकि अधिकारी कह रहे हैं कि वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कथित धमकी और दबाव के कारण काम नहीं करेंगे।

केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में अपने संबोधन के दौरान कहा कि यह समस्या दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा न मिलने से उत्पन्न हुई है और वास्तविक अधिकार केंद्र सरकार के पास है। केंद्र में एक अलग पार्टी की सरकार है और ''पार्टी नहीं चाहती है कि चुनी हुई सरकार (दिल्ली की) अपना काम करे। उन्होंने कहा कि पानी के बिलों में सुधार के लिए एकमुश्त समाधान योजना में कुछ अधिकारियों द्वारा ''बाधा'' डाली जा रही है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा के दबाव के कारण अधिकारियों को पानी के बिलों में सुधार के लिए एकमुश्त समाधान योजना को रोकने की धमकी दी जा रही है। भाजपा की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। केजरीवाल ने यह भी दावा किया कि अधिकारियों की काम करने की अनिच्छा के कारण दिल्ली में गंभीर संवैधानिक संकट पैदा हो गया है। उन्होंने उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना से योजना की मंजूरी के लिए अधिकारियों को बुलाने की अपील की और कहा कि इस 'अच्छी योजना' से 10.5 लाख परिवारों को फायदा होगा। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की आबादी का एक बड़ा हिस्सा 'गलत और बढ़े हुए बिलों का शिकार' है। उन्होंने कहा, हमने दिल्ली के लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए एक योजना शुरू की, जो है- एकमुश्त निपटान योजना। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लोगों के लिए काम करती है। उन्होंने यह दावा कर विपक्षी दल भाजपा का मजाक उड़ाया कि उन्होंने लोगों के मुद्दों को अनदेखा किया और विधानसभा में तीन या आठ सीटों पर सिमट गए। केजरीवाल ने कहा कि इस योजना में हजारों करोड़ रुपए का राजस्व फंस गया है। उन्होंने दावा किया कि यह योजना बहुत अच्छी है। इसे पिछले जून में पारित किया गया था और इसे तुरंत लागू किया जाना चाहिए था। इसे आठ महीने हो गए हैं लेकिन इन अधिकारियों ने ऐसा करने से इंकार कर दिया है।

केजरीवाल ने कहा, आज स्थिति यह है कि इस योजना को कैबिनेट में लाना होगा। अगर कैबिनेट इसे मंजूरी दे देती है तो यह लागू हो जाएगी। इसके लिए (दिल्ली) वित्त सचिव को अपनी टिप्पणी देनी होगी।

तमिलनाडु सरकार ने बजट पेश किया

राजस्व घाटा 49,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान

वित्त और मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री थंगम थेन्नारसु ने वर्ष 2024-2025 के लिए विधानसभा में तमिलनाडु सरकार का बजट पेश करने से पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की। चेन्नई में सोमवार को वित्त एवं मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री थंगम थेन्नारसु ने वर्ष 2024-2025 के लिए तमिलनाडु सरकार का बजट विधान सभा में प्रस्तुत किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपना बजट पेश किया। इसमें 49,000 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व घाटे का अनुमान लगाते हुए कई नई घोषणाएं की गई हैं। वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने अपना पहला बजट पेश किया जो 'सात भव्य तमिल सपने' पर आधारित है। थेन्नारसु ने पिछले साल वित्त मंत्री के रूप में पीटीआर पलानिवेल त्यागराजन की जगह ली थी। थेन्नारसु ने कागज रहित ई-बजट पेश किया।

वित्त वर्ष 2023-24 के संशोधित अनुमान में राजकोषीय घाटे के अनुमान को मामूली बढ़ाकर 92,075 करोड़ रुपये से 94,060 करोड़ रुपये कर दिया गया है। राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) अनुमान में कमी के कारण 2023-24 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 3.45 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पहले इसके 3.25 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। थेन्नारसु ने आवास, शिक्षा और बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में कई घोषणाएं कीं। कुल राजस्व व्यय 3,48,289 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान में प्रतिबद्ध व्यय में मानक वृद्धि के अलावा, सब्सिडी और हस्तांतरण के लिए 1.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक के आवंटन का प्रावधान है।

थेन्नारसु ने कहा, यह वृद्धि मुख्य तौर पर पिछले वर्ष की तुलना में कलैगनार मगलिर उरीमई थोगई थित्तम (महिला अधिकार योजना 1000 रुपये प्रति माह) के तहत 5,696 करोड़ रुपये के अतिरिक्त व्यय के कारण है...'' वित्त मंत्री ने कहा, कुल मिलाकर बजट अनुमान 2024-25 में राजस्व घाटा 49,279 करोड़ रुपये होने का अनुमान है...'' उन्होंने कहा कि बजट अनुमान 2024-25 में राजकोषीय घाटा 1,08,690 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो राज्य सकल घरेलू उत्पाद का 3.44 प्रतिशत बैठता है। बजट में दिवंगत द्रमुक संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के नाम पर एक आवासीय योजना 'कलैग्नारिन कनावु इलम' शामिल है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत 2030 तक राज्यभर के ग्रामीण इलाकों को 'झोपड़ी-मुक्त' बनाने के लिए आठ लाख कंक्रीट के मकान बनाए जाएंगे। सरकार ने कहा कि बजट का लक्ष्य '7 भव्य तमिल सपने'' को हासिल करना है। थेन्नारसु ने अपने बजट भाषण में कहा कि सामाजिक न्याय, हाशिये पर पड़े लोगों का कल्याण, तमिल युवाओं को वैश्विक स्तर पर सफल बनाना सात लक्ष्यों में से एक है। अन्य बातों के अलावा उन्होंने नगर निगमों के आसपास के क्षेत्रों की सड़कों सहित नागरिक सुविधाओं के लिए बजट में 300 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की।

थेन्नारसु ने कहा कि राज्य ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबी उन्मूलन में बहुत महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के अनुसार तमिलनाडु में गरीबी रेखा से नीचे केवल 2.2 प्रतिशत लोग हैं।

तमिलनाडु का बजट सामाजिक न्याय पर आधारित : मुख्यमंत्री एमके स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्य के बजट की सोमवार को सराहना करते हुए इसे ''सामाजिक न्याय'' पर आधारित ऐसा बजट बताया, जो सभी वर्गों के लोगों को समान न्याय और धन के उचित आवंटन की व्यवस्था करता है। स्टालिन ने द्रविड़ मॉडल की सभी के लिए 'सब कुछ' योजना के तहत महिला कल्याण एवं सामाजिक न्याय को शामिल करने वाले '7 भव्य तमिल सपने'' को रेखांकित करते हुए कहा कि बजट में विकास के हर पहलू को शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा, ''बजट आम तौर पर वित्त के आधार पर तैयार किया जाता है। यह बजट न्याय के आधार पर तैयार किया जाता है और सामाजिक न्याय इसकी धुरी है।''

राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि न्याय पर आधारित इस बजट का आधार समान, निष्पक्ष वित्त पोषण है, जिसने तमिलनाडु का तेजी से विकास सुनिश्चित किया है।

तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपना बजट पेश किया। इसमें 49,000 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व घाटे का अनुमान लगाते हुए कई नई घोषणाएं की गई हैं। वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने अपना पहला बजट पेश किया जो 'सात भव्य तमिल सपने' पर आधारित है। इस बजट में गरीबी उन्मूलन, राज्य को झोपड़ी मुक्त बनाने, पिछड़े क्षेत्रों का विकास करने और हाशिए पर पड़े लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने की कोशिश के प्रावधान किए गए हैं।

तमिलनाडु की अर्थव्यवस्था समृद्ध है और यह देश में दूसरी सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था है, जो भारत की अर्थव्यवस्था (राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद) में लगभग नौ प्रतिशत का योगदान देती है।

पुष्पांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में स्वामीनाथ अय्यर की 170वीं जयंती के मौके पर मंत्रियों और गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक ने चेन्नई डिवीजन क्षेत्राधिकार में सांसदों के साथ बैठक की

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएनसिंह ने 19 फरवरी को चेन्नई डिवीजन के अंतर्गत आने वाले निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले लोकसभा और राज्यसभा दोनों के संसद सदस्यों के साथ एक बैठक की। बैठक में संसद सदस्य दयानिधि मारन, कथिर आनंद, डॉ कलानिधि वीरस्वामी, जी.सेल्वम और आर. गिरिराजन उपस्थित थे।

बैठक में चेन्नई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक बी. विश्वनाथ ईर्या और दक्षिण रेलवे के विभागों के प्रमुख प्रमुखों ने भी भाग लिया। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और सांसदों को दक्षिण रेलवे के कामकाज के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। हाल ही पूर्ण हुए विभिन्न यात्री सुविधाओं की उपलब्धियों और विकास का विवरण दिया और प्रगति पर चल रहे विभिन्न ढांचागत विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। सांसदों को चेन्नई मंडल में रेलवे द्वारा विशेष रूप से स्टेशन विकास, यात्री सेवाओं में विभिन्न सुधार आदि के संबंध में किए गए विभिन्न कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। सांसदों ने ट्रेन सेवाओं, स्टॉपेज, यात्री सुविधाओं से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। रेलवे परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करना आदि। सांसदों ने दक्षिणी रेलवे की सेवाओं में सुधार और विकास के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

एयर इंडिया और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स कर्नाटक में 2,300 करोड़ का करेगी निवेश

सिद्दरामैया की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। टाटा समूह की कंपनियां एयर इंडिया और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने कर्नाटक में करीब 1,650 लोगों को रोजगार प्रदान करने वाली विभिन्न परियोजनाओं के लिए 2,300 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। सोमवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

विधानसौधा में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और बड़े एवं मझोले उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल यहां इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर के समय उपस्थित रहे। आधिकारिक बयान के अनुसार, एअर इंडिया एक रखरखाव मरम्मत व कायापलट (एमआरओ) सुविधा स्थापित करने और बेंगलूरु को दक्षिण भारत में विमानन केंद्र बनाने की योजना बना रही है। उद्योग विभाग के प्रधान सचिव एस.सेल्वाकुमार और एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल और टीएएसएल के सीईओ सुकरण सिंह ने एमओयू का आदान-प्रदान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि एयर इंडिया 1,300 करोड़ रुपये की निवेश योजना के साथ बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक एयरफ्रेम रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) सुविधा स्थापित करने की योजना बना रही है, जिसमें 1,200 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। यह भारत में अपनी तरह की पहली सुविधा होगी और दावा किया गया है कि इससे पूर्ण पैमाने पर एमआरओ के लिए दरवाजे खुलेंगे।

उन्होंने कहा कि एयर इंडिया बेंगलूरु हवाई अड्डे पर एविएशन हब भी बनाएगी जिससे बेंगलूरु के माध्यम से आर्थिक गतिविधि और हवाई यातायात में वृद्धि होगी टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने 3 परियोजनाओं - विमान रूपांतरण (यात्री से मालवाहक), गन विनिर्माण सुविधा और ए एंड डी क्षेत्र में अनुसंधान और विकास में लगभग 1,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। ये सभी परियोजनाएं भारत में अपनी तरह की पहली परियोजनाएं हैं और बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और कोलारा में स्थित होंगी और कर्नाटक के ए एंड डी पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करेंगी।

बयान में कहा गया, ''ये सभी परियोजनाएं भारत में अपनी तरह की पहली परियोजनाएं हैं। ये बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और कोलार में स्थित होंगी। ये कर्नाटक के एयरोस्पेस और रक्षा परिवेश तंत्र को और मजबूत करेंगी।''

इस मौके पर सरकार के मुख्य सचिव रजनीश गोयल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव एलके अतीक, उद्योग विभाग के आयुक्त गुंजन कृष्णा, एयर इंडिया के शीर्ष अधिकारी मनन चौहान, कार्तिकेय भट्ट, अतुल शुक्ला, टीएएसएल के शीर्ष अधिकारी गुरु दत्तात्रेय, अर्जुन मेन, बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रबंध निदेशक हरि मरार, सीओओ सात्यकी रघुनाथ और सीएफओ भास्कर रवींद्र उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और पार्टी विधायकों को कमर कसने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्यसभा चुनाव खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने अपने कैबिनेट सहयोगियों और पार्टी विधायकों को सख्त आदेश जारी किया है कि वे अपने जिलों और निर्वाचन क्षेत्रों में न जाएं और राजधानी का सामना न करें। हाल ही में हुई पार्टी विधानमंडल की बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव हमारे और पार्टी के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है, हमें कम से कम 20 सीटें जीतनी होंगी।

चुनाव में 100 दिन से भी कम समय बचा है, हमें कम समय में अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। यद्यपि हम कर्नाटक में सत्ता में हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करते समय मतदाताओं की मानसिकता अलग-अलग होती है। हम कठिन परिस्थिति में हैं, चाहे आपको इसका एहसास हो या न हो, हम जितनी अधिक सीटें जीतेंगे, हमारी सरकार उतनी ही मजबूत होगी। हमने चुनाव में जनता से किए वादे पूरे किए हैं, हमारी गारंटी योजनाएं लोगों के दरवाजे तक पहुंची हैं और लोग संतुष्ट भी हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे ही हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठे रह सकते, हमें बूथ स्तर से लेकर सभी स्तर के कार्यकर्ताओं और नेताओं की बैठक करनी होगी और पार्टी को संगठित कर अपने लक्ष्य तक पहुंचना होगा। अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए, आपको स्थानीय स्तर पर काम करना चाहिए और जमीनी स्तर पर जाकर काम करने की जरूरत है। चूंकि बजट सत्र खत्म होने के बाद राज्यसभा चुनाव हैं, इसलिए मंत्रियों को अपने गृह जिलों में रहना चाहिए, विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्र नहीं छोड़ना चाहिए। जैसे ही वर्तमान लाइन का बजट पास होगा, मैं विकास कार्यों के लिए धनराशि जारी कर दूंगा, आप क्षेत्रों के कार्यों को प्राथमिकता से लें और उन्हें निर्धारित अवधि में पूरा करें। वहीं बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की बैठक कर अपने गारंटी कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार को प्राथमिकता दें।

स्कूली छात्रा को परेशान करने के आरोपी को तीन साल की जेल

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने नाबालिग छात्रा का यौन उत्पीड़न के आरोप में युवक को तीन साल की कैद की सजा सुनाई है। साथ ही 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने निचली अदालत के उस फैसले को भी रद्द कर दिया है, जिसमें आरोपी को बरी कर दिया गया था। न्यायमूर्ति श्रीनिवास हरीशकुमार की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अभियोजन पक्ष की आपराधिक अपील याचिका पर विचार करने के बाद हाल ही में आदेश पारित किया। यह घटना 26 अक्टूबर 2014 को चिक्कमगलुरु जिले के बलुरु थाना क्षेत्र में हुई थी।

रास चुनाव के लिए पेशकश कर रहे कुमारस्वामी, विधायकों को धमका रहे हैं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने दावा किया कि उन्हें सूचना मिली है कि जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी 27 फरवरी को होने वाले राज्यसभा चुनाव में राज्य के कांग्रेस विधायकों के वोट खरीदने के लिए उन्हें पेशकश कर रहे हैं। राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा-जद(एस) गठबंधन द्वारा दूसरा उम्मीदवार उतारे जाने से सियासी माहौल गर्मा गया है। हालांकि संख्या बल के हिसाब से गठबंधन 4 में से केवल 1 सीट पर जीत हासिल कर सकता है।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम जानते हैं कि एचडी कुमारस्वामी किसे फोन कर रहे हैं, क्या बोल रहे हैं और क्या पेशकश कर रहे हैं। हमारे विधायकों ने हमें सारी

जानकारी दी है। हम भाजपा की रणनीति से परिचित हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी दल 'क्रॉस वोटिंग' की कोशिश कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, क्या उन्होंने (भाजपा) बिना किसी कारण के उम्मीदवार खड़ा किया है? उन्होंने अपनी ताकत आजमाने के लिए उम्मीदवार को मैदान में उतारा है। देखते हैं 27 फरवरी (मतदान के दिन) को कौन किसे वोट देता है।

शिवकुमार ने कहा, उन्होंने (कुमारस्वामी) बात की है, (कांग्रेस विधायकों को) ऑफर दिए हैं, वे (विधायक) आए और मुझे बताया। उन्होंने उन्हें धमकी दी थी। मुझे इसकी जानकारी है। मैं अब इस बारे में कोई बात नहीं करूंगा। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की पार्टी जद (एस) पिछले साल भाजपा नीत राजग में शामिल हुई थी। राज्य की 224 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ कांग्रेस के 135 सदस्य हैं। पार्टी को सर्वोदया कर्नाटक पक्ष के दर्शन पुत्तनियाह के साथ-साथ दो निर्दलीय विधायकों का समर्थन भी प्राप्त है जिनके बल पर वह तीन सीट पर जीत हासिल कर सकती है। वहीं, भाजपा और जद(एस) के क्रमश: 66 और 19 सदस्य हैं और वे केवल एक सीट जीतने की स्थिति में है।

दुनिया में फिर से स्थापित हो रही भारत की सांस्कृतिक विरासत : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का अमृतकाल भारत की संस्कृति और आस्था का उदयकाल है। काशी विश्वनाथ में कॉरिडोर एवं उज्जैन के महाकाल मंदिर में महाकाल लोक के निर्माण के अभूतपूर्व कार्यों के साथ ही भारत की संस्कृति एवं विरासत पूरी दुनिया में फिर से स्थापित हो रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से देशवासियों का सदियों पुराना सपना पूरा हुआ है।

मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को पाली के जाडन में ओम आश्रम मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने महामण्डलेश्वर स्वामी महेश्वरानन्दपुरी के साथ ओम आश्रम में द्वादश ज्योतिर्लिंग की स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा के तहत 'शिवालय में विशेष पूजा अर्चना की। उन्होंने कहा कि दुनिया के पहले ओम आश्रम का यह भव्य मंदिर भारतीय वास्तुकला, शिल्पकला और स्थापत्य कला का अनुपम उदाहरण है। इस आश्रम में द्वादश ज्योतिर्लिंग, नंदी महाराज, सूर्य मंदिर और दिव्य मंदिर की स्थापत्य कला अद्भुत है। उन्होंने कहा कि विश्वगुरू कहलाने वाला भारतवर्ष अनादि काल से अध्यात्म का केंद्र रहा है, जिसने सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन किया है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में जयपुर से अयोध्याधाम दर्शन के लिए विशेष विमान सेवा एवं सात संभाग मुख्यालयों से बस सेवा प्रारंभ की गई है। साथ ही 31 मार्च 2024 तक 3 हज़ार तीर्थयात्रियों को अयोध्याधाम के लिए दर्शन यात्रा भी करवाई जाएगी। सरकार द्वारा इसी वर्ष के बजट (लेखानुदान) में पूँछरी का लौठा, मेहंदीपुर बालाजी, गोविन्द देव जी सहित विभिन्न मन्दिरों के जीर्णोद्धार के लिए 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों को पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने की भी घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में पीएम किसान सम्मान निधि 2 हजार रुपए बढ़ाकर 8 हजार रुपए करना, गेहूं की ख़रीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य में 125 रुपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1 हजार 150 रुपए करना जैसे जनकल्याणकारी निर्णय राज्य सरकार द्वारा किए गए हैं। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद पी.पी. चौधरी, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, विधायक बालमुकुन्दाचार्य, श्रीमती शोभा चौहान सहित बड़ी संख्या में संत, महंत तथा दर्शनार्थी उपस्थित थे।

ग्राम विकास अधिकारी ने आत्महत्या की

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में एक ग्राम विकास अधिकारी द्वारा फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के परिवार के सदस्यों के अनुसार, ललित कुमार (25) ने बृहस्पतिवार को थोई पुलिस थाने में एक स्थानीय सरपंच और अन्य के खिलाफ गबन का मामला दर्ज कराया था जिसके बाद उसे परेशान किया जा रहा था। ललित कुमार ने फांसी लगाने से पहले विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों पर एक सुसाइड नोट साझा किया। पुलिस के अनुसार, रविवार को ललित कुमार के परिवार के सदस्यों ने उन्हें अपने कमरे में पंखे से लटका हुआ देखा। उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

धर्म परिवर्तन मामले पर राज्य सरकार को कानून बनाना चाहिए : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष बासुदेव देवनानी ने सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता की। जहां पर उन्होंने धर्म परिवर्तन मामले को लेकर कहा कि इस क्षेत्र व राजस्थान के लिए धर्म परिवर्तन चिंता जनक है और हमारे समय में हुआ था तब लगभग कानून भी बनाने का निर्णय हुआ था। लेकिन तब सरकार चली गई और 5 साल हम कुछ नहीं कर पाए। अब राज्य सरकार इस विषय की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द ऐसा कोई कानून लाये जिससे यह चीज रिपीट ना हो जो। धर्म परिवर्तन समाज में अभिशाप है और जिसके कारण लोग लालच देकर गरीब लोगों का धर्म परिवर्तन होता है। उन्होंने कहा कि यह अवैधानिक भी है और अनैतिक भी है और गैर कानूनी है इसको रोका जाना चाहिए। खासकर भरतपुर राजस्थान का पूर्वी द्वार है। इस मौके पर उन्होंने किसान आंदोलन को लेकर कहा कि केंद्र सरकार और उनके बीच वार्ता चल रही है जल्द ही इसका समाधान होगा। कांग्रेस के नेता महेंद्र जीत मालवीय के इस्तीफा को लेकर कहा कि महेंद्र सिंह मालवीय का इस्तीफा मेरे कार्यालय पहुंच गया है ।इसकी में घोषणा कर सकता हूं हालांकि हर विधायक का लोकतांत्रिक अधिकार है कि वह किसी भी पार्टी को जॉन कर सकता है। कभी-कभी उसकी पार्टी से मोह भंग होता है तो दूसरी पार्टी में जाता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि जो कुछ भी संसद के विधान सभाओं की जो नियमावली है उसके तहत कोई भी विधायक दूसरी पार्टी ज्वाइन कर सकता है। उसके अपने विधायक पद से इस्तीफा देना होता है। उन्होंने कहा शुक्रवार को इस्तीफा भेजा है अभी स्वीकार नहीं किया है उनसे मिलकर बातचीत होगी और पूरी तरह से संतुष्ट होने के बाद वह अपना त्यागपत्र देंगे तो स्वीकार करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी आज भरतपुर पहुंचे थे जहां पर उन्होंने भारतपुर स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर महाराजा सूरजमल की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की और कार्यक्रम में भाग लिया था।

भजन लाल का यमुना जल समझौते के बाद जयपुर पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ताजेवाला हैड वर्क्स से शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी लाने के लिए ऐतिहासिक एमओयू करने के दो दिन बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को जयपुर पहुंचे। जयपुर हवाई अड्डे पर सीकर, चूरू एवं झुन्झुनूं जिलों से बड़ी संख्या में आए जनप्रतिनिधियों, किसानों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा आमजन ने त्रिपक्षीय एमओयू करने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। आभार प्रकट करने आए लोगों ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र के इन जिलों तक यमुना का पानी लाने की मांग करीब तीन दशक पुरानी थी। 1994 में हुए यमुना जल समझौते के बाद भी राजस्थान यमुना जल से वंचित था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार बनते ही भारत सरकार और हरियाणा सरकार के साथ चर्चा एवं पत्र व्यवहार कर इस मुद्दे के समाधान के लिए पहल की। उनके प्रयासों से सरकार के कार्यकाल के पहले 2 माह में ही ताजेवाला हैड वर्क्स से पाइपलाइन बिछाकर पानी लाने के लिए एमओयू हुआ है।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सांसद सुमेधानंद सरस्वती, राहुल कस्वां, नरेन्द्र कुमार, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया, पूर्व सांसद श्रीमती संतोष अहलावत, विधायक गोरधन, धर्मपाल तथा विक्रम झाखल के अतिरिक्त यमुना जल हमारा हक आंदोलन समिति (शेखावाटी) तथा शेखावाटी परिवार समिति जयपुर के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में किसान एवं आमजन उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की उपस्थिति में गत 17 फरवरी को नई दिल्ली में एक त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे। केन्द्र सरकार, हरियाणा सरकार और राजस्थान सरकार के बीच हुए इस एमओयू के तहत ताजेवाला हैड से प्रवाह प्रणाली के क्रम में डीपीआर बनाने पर सहमति बनी। इस योजना के मूर्त रूप लेने के बाद राजस्थान को ताजेवाला हैड-वर्क्स से यमुना नदी का पानी मिल सकेगा और बारिश में व्यर्थ बह जाने वाले जल का भी समुचित उपयोग हो सकेगा।

ताजेवाला हैड वर्क्स का ऐतिहासिक एमओयू करने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सोमवार सुबह दिल्ली से रवाना होने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम जयपुर एयरपोर्ट के बाहर जमा होने लगा। मुख्यमंत्री को एयरपोर्ट से बाहर आता देख लोग उत्साहित होकर उनके स्वागत में नारे लगाने लगे। उन्होंने मुख्यमंत्री शर्मा का साफा और माला पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। महिलाओं ने भी लोकगीत गाकर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया।

कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री मालवीया ने भाजपा का दामन थामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस को सोमवार को उस समय झटका लगा जब चार बार के विधायक एवं पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। बांसवाड़ा जिले की बागीदौरा सीट से विधायक मालवीया ने इस अवसर पर कहा कि वह वागड़ क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा में शामिल हो रहे हैं। दक्षिण राजस्थान के आदिवासी इलाके को वागड़ कहा जाता है जिसमें बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले शामिल हैं।

पूर्व सांसद एवं बागीदौरा सीट से लगातार चार बार के वधियक मालवीया जयपुर में भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे जहां पार्टी के राज्य प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सी.पी. जोशी और अन्य नेताओं ने उनका पार्टी में स्वागत किया। मालवीया ने कहा कि वह कल दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मिले और पार्टी की राष्ट्रीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन से प्रभावित हुए।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने से इनकार कर दिया तो बहुत ठेस लगी क्योंकि वे सनातन को मानने वाले व्यक्ति हैं। इस अवसर पर संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, पूरी निष्ठा के साथ मैं भाजपा पार्टी में शामिल हो रहा हूं।

उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के अलावा कोई और अंचल का विकास नहीं कर सकता।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा की नीति से प्रभावित होकर मालवीया भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। मालवीया दिसंबर 2008 से लेकर अब तक लगातार चौथी बार कांग्रेस के विधायक हैं। वह पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकारों दो बार मंत्री में रहे। वह साल 1998 में बांसवाड़ा से कांग्रेस के टिकट पर सांसद में चुने गये। राज्य की विधानसभा की 200 सीट में से इस समय सत्तारूढ़ भाजपा के पास 115 और कांग्रेस के पास 70 सीट हैं।

कांग्रेस ने आयकर विभाग की कार्रवाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस ने पार्टी के बैंक खातों को 'फ्रीज' किए जाने के खिलाफ सोमवार को राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया तथा पैदल मार्च निकाला। पार्टी प्रवक्ता ने बताया कि पार्टी की सभी जिला समितियों की ओर से सुबह 11 बजे पैदल मार्च निकाला गया। जयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने पार्टी कार्यालय से आयकर विभाग के कार्यालय की ओर पैदल मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने 'स्टेच्यू सर्किल' पर उन्हें रोक दिया जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काफी देर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विधायक रफीक खान ने कहा, खाते सीज करना लोकतंत्र की हत्या है और राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ने से रोका जा रहा है। इस अवसर पर पार्टी के कई विधायक और नेता मौजूद रहे। राज्य में कई जगहों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया।

चिकित्सा मंत्री ने की जनसुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने सोमवार को अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने प्रदेशभर से बड़ी संख्या में आए लोगों के अभाव अभियोग सुने और इनके त्वरित निस्तारण के लिए निर्देश दिए।

सिंह जनसुनवाई के दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों से आत्मीयता के साथ मिले और उनकी परिवेदनाएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को इन परिवेदनाओं पर शीघ्र कार्यवाही कर राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। आमजन से परिवेदनाएं सुनते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर प्रदेश के विकास को गति देगी।

राजस्थान में कई जगहों पर हल्की बारिश और ओलावृष्टि की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से आगामी दिनों में कई इलाकों में हल्की बारिश के आसार बन रहे हैं। साथ ही भरतपुर में एक-दो जगह ओलावृष्टि का पूर्वानुमान भी जताया गया है। मौसम केंद्र (जयपुर) ने सोमवार को बताया कि एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आज पाकिस्तान क्षेत्र के ऊपर एक प्रेरित परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके कारण आज जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपेक्षाकृत तेज सतही हवाएं चलने तथा राज्य के उत्तरी भागों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। इसने बताया कि 20 फरवरी को जोधपुर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना है और इस दौरान भरतपुर संभाग में एक-दो स्थानों पर ओलावृष्टि के आसार हैं। शेष अधिकांश भागों में मौसम सामान्य तौर पर शुष्क रहेगा।

इसी तरह 21 फरवरी को राज्य के अधिकांश भागों में मौसम शुष्क रहने और केवल भरतपुर संभाग में हल्की बारिश की संभावना है। उसके बाद आगामी तीन-चार दिन मौसम सामान्य तौर पर शुष्क रह सकता है।बीते चौबीस घंटे में अलवर में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री, करौली में 9.5 डिग्री व ऐरन रोड में 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बाकी अधिकांश जगह न्यूनतम तापमान बढ़ने लगा है और 12 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक दर्ज किया गया।

तीर्थ यात्रियों के लिए सभी तरह की गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं का विकास किया जाए : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मालासेरी तीर्थ सहित भगवान देवनारायण से संबंधित स्थलों पर आने वाले धार्मिक पर्यटकों व तीर्थ यात्रियों के लिए सभी तरह की गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं का विकास किया जाए। उन्होंने पर्यटन विभाग को निर्देश दिए हैं कि भीलवाड़ा के आसींद में स्थित मालासेरी तीर्थ आने वाले धार्मिक पर्यटकों / तीर्थ यात्रियों की यात्रा हेतु सुगम मार्ग, सुलभ सुविधाएं, गर्मी -धूप-वर्षा से बचने हेतु शेल्टर्स तथा रात्रि विश्राम हेतु अतिथि निवास, भोजन शालाएं, पार्किंग सहित दर्शन की सुगमता हेतु शेड बनाने एवं पर्याप्त मात्रा में वृक्षारोपण कर उपवन विकसित करने सहित अपेक्षित विकास कार्यों को डीपीआर में सम्मिलित किया जाए। गृह राज्य मंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय स्थित उनके कक्ष में भगवान देवनारायण से संबंधित तीर्थ के विकास के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत तथा पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ व पर्यटन निदेशक डॉ रश्मि शर्मा, संयुक्त निदेशक विकास राजेश शर्मा तथा मैसेर्स पी.डी.कोर. के प्रतिनिधि की उपस्थिति थे। बैठक में भगवान देवनारायण जी की जन्मस्थली मालासेरी एवं देवनारायण से संबंधित अन्य स्थलों, सवाई भोज,गढ़गोठा, साढामाता की बावड़ी, वरनगर आदि को सम्मिलित करते हुए कोरिडोर विकसित करने की बैठक में चर्चा की गई। बेढ़म की ओर से पर्यटन विभाग के अधिकारियों एवं मैसेर्स पी. डी. कोर. को सर्व प्रथम विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट के परिपेक्ष में मालासेरी तीर्थ में जाकर सम्बंधित स्थलों की आवश्यक जानकारी जुटाने तथा विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट की रूपरेखा का निर्धारण करने के लिए फिर से बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष लखावत ने बैठक में देवनारायण भगवान की जन्मस्थली मालासेरी को विश्व स्तरीय धार्मिक पर्यटन को आकर्षक रूप में उभारने के लिए स्थानीय संस्कृति व शिल्प के अनुरूप प्रोजेक्ट क्रियान्वित करने का सुझाव दिया।

भगवान महावीर स्वामी के मंदिर में संगीतमय सतर भेदी पूजा, ध्वजाएं चढ़ाईं गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। आसानियों के चौक के जैन श्वेताम्बर पार्श्वचन्द्र गच्छ के भगवान महावीर स्वामी के मंदिर में सोमवार को साध्वीपद्म प्रभा व सुव्रताके सान्निध्य में मूलनायक भगवान महावीर स्वामी, भगवान पार्श्वनाथ व शांतिनाथ के गुम्बज के शिखर पर नई ध्वजा चढ़ाई गई। भक्ति संगीत के साथ परमात्मा की सतर भेदी पूजा की गई। भगवान वासुपुज्य स्वामी के प्रतिमा पर चांदी की अंगी स्थापित की गई। श्रीपार्श्वचन्द्र गच्छ के अध्यक्ष रविन्द्र रामपुरिया व मंत्री प्रताप रामपुरिया के नेतृत्व में ध्वजा के स्थाई लाभार्थियों के परिजनों ने नवकार महामंत्र का जाप करते हुए तथा जयकारा लगाते हुए तीन ध्वजाएं चढ़ाई। अहमदाबाद से मंगवाई गई करीब सवा सात फीट की पंचरंगी ध्वजाओं पर तीर्थंकरों के चिन्ह, अष्ट मंगल, स्वास्तिक चिन्ह अंकित थे। ध्वजारोहण से पूर्व साध्वीवृंद ने ध्वजा का शुद्धिकरण कर पूजन करवाया। श्राविकाओं ने भजन पंच वरण ध्वज शोभती, घूघरीनों घमकार, हेमदंड मन मोहिनी, लघु पताका सार गाकर ध्वज वंदन किया।

ध्वज चढ़ाने का लाभ सुश्रावक बंशीलाल, रिद्धकरण, प्रताप रामपुरिया परिवार, कमलसिंह, सुनील व प्रशांत रामपुरिया परिवार, व सोहन लाल, जयचंद लाल रामपुरिया ने लिया। तीन शिखरवाले मंदिर में सुनील, सुनीला, सुदर्शना बगानी परिवार दिल्ली ने भगवान वासुपुज्य स्वामी की प्रतिमा पर चांदी की अंगी चढ़ाई।

पार्श्वचन्द्र महिला मंडल की अध्यक्ष मधुरामपुरिया के नेतृत्व में सदस्याओं ने एक सी गुलाबी, हरे बेलबूटों की क्रीम साड़ी पहन कर विभिन्न राग व तर्जों भजन गाते हुए पूजा की। पूजा की शुरूआत स्नात्र पूजा से हुई उसके बाद अष्ट प्रकारी पूजा व सतर भेदी पूजा की गई तथा नवंकार महामंत्र का जाप किया गया।

उत्तर प्रदेश की 'डबल इंजन' सरकार ने 'लालफीताशाही' को खत्म किया : नरेन्द्र मोदी

निवेशकों के अनुकूल माहौल बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछले सात साल में डबल इंजन सरकार ने 'लालफीताशाही' को हटाकर निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बनाया है और उनके स्वागत के लिए 'लाल कालीन' बिछाएं हैं। मोदी ने 'यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023' के दौरान प्राप्त निवेश प्रस्तावों के चौथे भूमि पूजन समारोह में सोमवार को पूरे उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक लागत की 14,000 परियोजनाओं की शुरुआत की

प्रधानमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बने सात वर्ष हो रहे हैं। बीते सात साल में प्रदेश ने 'रेड टेप' कल्चर (लालफीताशाही) को हटाकर 'रेड कार्पेट' कल्चर बनाया है। बीते सात वर्षों में उत्तर प्रदेश में अपराध कम हुआ है, तो 'बिजनेस कल्चर' (कारोबारी संस्कृति) का विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा, आज उत्तर प्रदेश वह राज्य है, जहां देश के सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे हैं। आज यह ऐसा राज्य है, जहां देश में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। आज उत्तर प्रदेश वह राज्य हैं जहां देश की पहली रैपिड रेल चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पूरा देश गर्व करता है कि उत्तर प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं योगी जी

को और उत्तर प्रदेश सरकार को विशेष बधाई देता हूं। हर हिंदुस्तानी को गर्व होता हैं जब हम सुनते हैं कि राज्य ने ठान लिया हैं कि एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाएंगे। मैं देश के सभी राज्यों से आग्रह करूंगा कि राजनीति अपनी जगह पर छोड़िये। जरा उप्र से सीखिये। देश तभी आगे बढ़ेगा जब उत्तर प्रदेश की तरह हर राज्य बड़े सपने बड़े संकल्प लेकर चल पड़े।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार जब अपनी तरफ से लाभार्थियों को लाभ पहुचाती है, तो यही सच्चे अर्थ में सामाजिक न्याय और सच्ची धर्मनिरपेक्षता है। पहले भ्रष्टाचार और भेदभाव के चलते लोगों को योजनाओं का लाभ पाने के लिए लंबी लाइन लगानी होती थी। एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर में दौड़ना होता था। मोदी की गारंटी है कि जबतक हर लाभार्थी को उसका हक नहीं मिलता, हमारी सरकार शांत नहीं बैठेगी। यही वह समाजिक न्याय है, जिसका सपना जेपी और लोहिया ने देखा था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की योजनाएं सामाजिक न्याय और अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करती हैं।

बीते 10 साल में 740 विधायक व सांसद भाजपा में शामिल हुए : झामुमो का दावा

रांची/भाषा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने सोमवार को दावा किया कि बीते 10 साल में ऐसे कम से कम 740 विधायक और सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं जिनके खिलाफ केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। केंद्र सरकार पर हमला करते हुए झामुमो ने आरोप लगाया कि भाजपा ने यह कहावत अपना ली है कि 'मेरी बात मानो या अपना रास्ता लो' और कहा कि झारखंड इसकी बेहतरीन मिसाल है।

झामुमो महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि 2014 से 2024 तक देश ने कई अजीब चीजें देखी हैं, जिनमें क्या खाना, पहनना पढ़ना और क्या सुनना है, यह भी शामिल है। भट्टाचार्य ने कहा, उनके (भाजपा के) अनुसार, विपक्ष में हर कोई भ्रष्ट है, जबकि भाजपा में हर कोई साफ-सुथरा है। उन्होंने कहा है कि जो लोग सरकार की नीतियों के खिलाफ हैं, वे देशद्रोही हैं। झामुमो नेता ने दावा किया, पिछले 10 वर्ष में 740 विधायक और सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं जिनमें से ज्यादातर कांग्रेस से हैं और इन पर भाजपा ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे।

मोदी सरकार की विकास गतिविधियों के केंद्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र रहा है : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की विकास गतिविधियों के केंद्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र रहा है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने राष्ट्र के प्रति, विशेषकर खेल आयोजनों में प्रसिद्धि दिलवने में इस क्षेत्र के महत्व और योगदान की भी सराहना की। उन्होंने यहां दूरदर्शन असम की पुनर्गठित क्षेत्रीय समाचार इकाई के उद्घाटन के बाद संवाददाताओं से कहा, जब हम 'अष्ट लक्ष्मी' के बारे में बात करते हैं तो हमारा मतलब हमारे आठ पूर्वोत्तर राज्यों से है। ये आठ राज्य मोदी सरकार के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मोदी सरकार ने पिछली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की 'लुक ईस्ट पॉलिसी' की जगह 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' शुरू की। उन्होंने दावा किया, संप्रग सरकार ने केंद्र में अपने 10 साल के कार्यकाल में इस क्षेत्र की अनदेखी की थी लेकिन हमारी सरकार इसके लिए लगातार काम कर रही है। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार इस क्षेत्र की संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देने, संचार नेटवर्क में सुधार, नए अस्पताल और शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने के लिए तय समय से अधिक काम कर रही है। असम सहित पूर्वोत्तर राज्यों द्वारा खेलो इंडिया विवि खेल की मेजबानी पर उन्होंने खेल जगत में क्षेत्र की शक्ति की सराहना की। ठाकुर ने कहा, इसमें 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के 4,500 से अधिक खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ने बंगाल में आधार कार्ड 'अचानक निष्क्रिय' किए जाने को लेकर मोदी को पत्र लिखा

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में आधार कार्ड के ''अचानक निष्क्रिय'' होने को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा और इसके पीछे के कारणों को जानना चाहा। बनर्जी ने कहा कि इस कदम से बंगाल में लोगों के बीच ''हाहाकार'' मच गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह आधार कार्ड ''निष्क्रिय'' करने की कवायद नियमों के खिलाफ है और प्राकृतिक न्याय का घोर उल्लंघन है। बनर्जी ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा, मैं पश्चिम बंगाल में लोगों, विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी समुदायों के आधार कार्ड को अंधाधुंध तरीके से निष्क्रिय करने की गंभीर प्रकृति की अचानक हुई घटना को आपके ध्यान में लाना चाहती हूं।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, मैं बिना कारण बताए आधार कार्ड को अचानक निष्क्रिय किए जाने का कारण जानना चाहती हूं। क्या यह लाभार्थियों को लाभ से वंचित करना है या लोकसभा चुनाव से पहले लोगों के बीच घबराहट की स्थिति पैदा करना है?'' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि नई दिल्ली में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण का मुख्यालय बिना किसी क्षेत्रीय जांच या राज्य को विश्वास में लिए संबंधित व्यक्तियों और परिवार के सदस्यों को सीधे ''निष्क्रियता पत्र'' जारी कर रहा है। उन्होंने पत्र में कहा, वर्तमान घटनाक्रम ने राज्य के निवासियों के बीच घबराहट और हंगामे की स्थिति पैदा कर दी है, क्योंकि बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतों के निवारण के लिए जिला प्रशासन से संपर्क कर रहे हैं।

'पश्चिम बंगाल को बचाने का समय, ममता बनर्जी सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने संदेशखालि में कुछ शिकायतकर्ता महिलाओं के बयान पर सवाल उठाने के लिए सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने (ममता) ''बेहद घटिया'' टिप्पणी की है और अब उन्हें सत्ता से बाहर करने का समय आ गया है। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने कहा कि संदेशखालि में महिलाएं स्वयं ही विरोध कर रही हैं और इसमें कोई राजनीति नहीं थी क्योंकि उनकी पार्टी ने केवल पीड़ित महिलाओं की रक्षा करने और उनकी आवाज उठाने की कोशिश की है। उन्होंने यह भी दावा किया कि संदेशखालि में महिलाओं के साथ जो हुआ वह इराक और पाकिस्तान जैसे देशों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचार को दर्शाता है।

चटर्जी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता शाहजहां शेख को मुख्यमंत्री बनर्जी द्वारा बचाया जा रहा है। उन्होंने कहा, यही कारण है कि पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई है जबकि शेख के कुछ सहयोगियों को पकड़ लिया गया है। शेख महिलाओं के यौन उत्पीड़न और भूमि हड़पने की शिकायतों में मुख्य आरोपी है।

भाजपा सांसद ने कहा, उसे फांसी दी जानी चाहिए। वह मौत की सजा से कम का हकदार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में हिंदू महिलाओं को निशाना बनाया गया। मुस्लिम मतदाताओं के स्पष्ट संदर्भ में चटर्जी ने कहा कि आरोपियों को प्रशासन ने पनाह दी क्योंकि टीएमसी को ''30 प्रतिशत वोटों'' की परवाह है। कुछ महिलाओं के बयानों पर सवाल उठाने वाले मुख्यमंत्री के दावे के बारे में पूछे जाने पर चटर्जी ने कहा, वह जो कह रही हैं वह बहुत घटिया है। वे स्वयं ही विरोध-प्रदर्शन कर रही हैं। यह पश्चिम बंगाल को बचाने और ममता बनर्जी सरकार को उखाड़ फेंकने का समय है।

बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि संदेशखालि में ''एक घटना कराई गई थी'' और उन्होंने इसके लिए भाजपा पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और मीडिया के साथ मिलकर साजिश रचने का आरोप लगाया।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने यह भी कहा कि संदेशखालि में एक भी महिला ने कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई है और उन्होंने ही पुलिस को इस संबंध में स्वत: संज्ञान मामला शुरू करने का निर्देश दिया था।

चटर्जी ने आरोप लगाया कि कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई क्योंकि स्थानीय प्रशासन आरोपियों के साथ मिला हुआ था और टीएमसी सदस्यों की तरह काम कर रहा था। उन्होंने दावा किया कि देश की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री द्वारा शासित राज्य में महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं।

देश के 73 प्रतिशत पिछड़े, दलित और आदिवासी लोगों की उपेक्षा कर रही है भाजपा सरकार : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर देश के 73 प्रतिशत पिछड़े, दलित और आदिवासी लोगों की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि सरकारी अथवा अर्द्धसरकारी नौकरियों में इन वर्गों को प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा रहा है और सरकार इन वर्गों का सिर्फ ध्यान भटका रही है।

कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के तहत अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र अमेठी पहुंचे राहुल गांधी ने गांधीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, हिंदुस्तान में पिछड़ा वर्ग 50%, दलित 15% और आदिवासी 8% हैं। कुल आबादी का 73% होने के बावजूद किसी भी सरकारी या अर्द्ध सरकारी नौकरी में इन वर्गों को प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, दिल्ली में 90 आईएएस अधिकारी हैं जो सरकार चलाते हैं लेकिन उनमें दलित, पिछड़े व आदिवासी वर्ग का एक भी अधिकारी शामिल नहीं है। आप मनरेगा मजदूरों की सूची निकलवाइये उसमें आपका नाम होगा लेकिन ऊंचे पदों पर दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को जगह नहीं दी जा रही है। सरकार केवल इन वर्गों का ध्यान भटका रही है। मीडिया में इन 73 प्रतिशत लोगों की बात नहीं होती है। राहुल गांधी ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यह कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से हुआ लेकिन उसमें दलितों को प्रवेश नहीं मिला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी वहां नहीं आने दिया गया, बड़े-बड़े पैसे वाले लोग जरूर दिखाई दिए।

बिहार कांग्रेस ने पार्टी का बैंक खाता फ्रीज करने के विरोध में प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी के बैंक खाते से लेनदेन पर आयकर विभाग द्वारा लगाई गई रोक के खिलाफ यहां विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने इस कार्रवाई के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर आरोप लगाया।

विधायक दल के नेता शकील अहमद खान के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर के आयकर चौराहे पर हाथों में तख्तियां लेकर और केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए खान ने आरोप लगाया कि भाजपा 'चुनावी बॉण्ड' जैसी अपारदर्शी चीजों की बदौलत विरोधियों के वित्त को निचोड़ने की कोशिश कर रही है, जबकि यह सुनिश्चित कर रही है कि उसका अपना खजाना भरा रहे।

माना जा रहा है कि चुनावी बॉण्ड के माध्यम से धन का बड़ा हिस्सा भाजपा को प्राप्त हुआ था। हालांकि, इस चुनावी बॉण्डको पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया था।

पश्चिम बंगाल में नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में सीबीआई करेगी जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले से एक नाबालिग लड़की के कथित अपहरण की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है जिसमें सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर एजेंसी कार्रवाई कर रही है जहां 14 वर्षीय लड़की के माता-पिता ने एक याचिका में आरोप लगाया था कि उनकी बेटी नौ अगस्त, 2023 को शाम छह बजे पढ़ाई करने के लिए घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं आई।

माता-पिता ने कहा कि स्थानीय पुलिस जांच करने में आनाकानी कर रही थी लेकिन काफी आग्रह के बाद उसने मामला दर्ज कर लिया पर इस मामले में ज्यादा प्रगति नहीं हुई है। उन्होंने बीते वर्ष 17 अगस्त को राज्य के अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) की मानव तस्करी रोधी इकाई में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अधिकारियों के अनुसार, उच्च न्यायालय ने गत वर्ष आठ फरवरी को मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। उच्च न्यायालय ने लड़की के माता-पिता के आरोपों का हवाला देते हुए कहा, दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था लेकिन जांच वैधानिक अवधि के भीतर समाप्त नहीं हुई। इस कारण सह-अभियुक्तों को वैधानिक जमानत मिल गई। इस बीच बदमाश याचिकाकर्ता और उसके परिवार के सदस्यों को धमकी दे रहे थे। माता-पिता का आरोप है कि बदमाशों का एक समूह उनके घर आया था जहां उन्होंने उन पर कुछ पैसे लेने के बाद मामले को निपटाने का दबाव डाला गया। उन्होंने माता-पिता को यह भी बताया कि उनकी बेटी को बेच दिया गया है।

'पूर्वोत्तर क्षेत्र में सरकार ने 10 साल में 5 लाख करोड़ रु. का निवेश किया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री बी एल वर्मा ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार ने 2014 से अब तक पूर्वोत्तर राज्यों में पांच लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है, जबकि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए 11 लाख करोड़ रुपए और खर्च किए जाएंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डॉनर) राज्य मंत्री वर्मा ने कहा कि देश के इस हिस्से में निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

वर्मा ने 'पूर्वोत्तर निवेशक सम्मेलन' के मौके पर कहा, सरकार 2014 के बाद से यहां पांच लाख करोड़ रुपए का निवेश पहले ही कर चुकी है। इसके अलावा बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए विकास परियोजनाओं पर क्षेत्र में 11 लाख करोड़ रुपए का भी निवेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मैंने इस क्षेत्र के कारोबारी समूहों से अलग-अलग बैठक की थी और उन्होंने यहां पर विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने को लेकर उत्साहजनक प्रतिक्रिया दी। बड़े और मझोली दोनों तरह की कंपनियों ने यहां निवेश करने में दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने 2014 के बाद से पूर्वोत्तर क्षेत्र में हुए विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमने बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचागत विकास देखा है, सिर्फ सड़क परियोजनाओं पर ही एक लाख करोड़ रुपए का निवेश किया गया है।

किसान आंदोलन सिर्फ पंजाब से चल रहा : सिंह

बागपत (उप्र)/भाषा। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानून बनाने और स्वामीनाथन आयोग की सभी सिफारिशों को लागू करने की मांग कर रहे किसानों के आंदोलन पर केंद्रीय मंत्री जनरल वी के सिंह ने कहा है कि किसान आंदोलन सिर्फ पंजाब से चल रहा है। यहां पुरा महादेव मंदिर पर सोमवार सुबह भगवान आशुतोष का जलाभिषेक करने के बाद मीडिया से बातचीत में सिंह ने कहा, किसान आंदोलन पंजाब से चल रहा है। उन्होंने कहा, पहले से ही 22 फसलों पर एमएसपी लागू है और किसानों की मांग के अनुसार एकदम से एमएसपी लागू करना संभव भी नहीं है। इसके लिए समय चाहिए। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार किसानों के साथ है और किसानों की खुशहाली के लिए काम कर रही है।

संदेशखालि हिंसा मामला: अदालत की निगरानी में जांच संबंधी याचिका पर सुनवाई से न्यायालय का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें पश्चिम बंगाल के संदेशखालि गांव में हुई हिंसा की अदालत की निगरानी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पहले ही मामले पर संज्ञान ले लिया है। पीठ ने जनहित याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय जाने की स्वतंत्रता देते हुए कहा, दोहरे मंच पर मामले नहीं होने चाहिए।

सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ता-वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि परेशान करने वाली घटनाएं सामने आई हैं, जहां कई महिलाओं ने दावा किया है कि उनके साथ बलात्कार हुआ है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने भी कथित घटनाओं का संज्ञान लिया है। पीठ ने कहा कि यह मामले को सीबीआई को

स्थानांतरित करने पर विचार कर सकती है।

याचिकाकर्ता ने कहा कि राज्य में हालात इतने खराब हैं कि सीबीआई को भी चुनाव बाद हिंसा के मामलों की सुनवाई पश्चिम बंगाल के बाहर करने के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा है।

पीठ ने कहा, हम पीड़ितों के प्रति आपकी उत्सुकता और सहानुभूति को समझते हैं, लेकिन इस अदालत द्वारा जांच की निगरानी पूरी तरह से अलग बात है।

पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने कहा कि उच्च न्यायालय ने कथित घटनाओं का संज्ञान लिया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। पीठ मामले पर विचार करने के लिए अनिच्छुक थी, इसलिए याचिकाकर्ता-वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने जनहित याचिका वापस ले ली। मामला वापस लिया गया मानकर खारिज कर दिया गया।

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि गांव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक स्थायी नेता और उनके समर्थकों द्वारा महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों को लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहा है।

कई महिलाओं ने स्थानीय तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों पर जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा, हमारा टीम संतुलन बेहतर हुआ है

नई दिल्ली/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि नए खिलाड़ियों को शामिल करने के बाद उनकी टीम का संतुलन काफी बेहतर हुआ है और इससे उन्हें 23 फरवरी से शुरू होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। आरसीबी के लिए पहला सत्र निराशाजनक रहा था तथा उसे अपने आठ मैचों में से छह मैच में हार का सामना करना पड़ा था। उसकी टीम पांच टीमों वाली प्रतियोगिता में चौथे नंबर पर रही थी। दूसरे सत्र के मैच नई दिल्ली और बेंगलूरु में खेले जाएंगेश्र

आरसीबी ने लगभग ढाई करोड रुपए खर्च करके एकता बिष्ट (बाएं हाथ की स्पिनर), केट क्रॉस (तेज गेंदबाज), जॉर्जिया वेयरहैम (लेग स्पिनर), सब्बीनेनी मेघना (ऑलराउंडर), सिमरन बहादुर (तेज गेंदबाज), सोफी मोलिनेक्स (बाएं हाथ की स्पिनर) और शुभा सतीश (ऑलराउंडर) जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी टीम से जोड़ा है। मंधाना ने जिओ सिनेमा से कहा, मैं निश्चित तौर पर चाहूंगी कि हमारी टीम पहले सत्र की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करे। जहां तक आरसीबी की बात है तो हमने कुछ खिलाड़ियों को 'रिलीज' करके नए खिलाड़ियों को टीम से जोड़ा है। इससे निश्चित तौर पर हमारा संतुलन बेहतर हुआ है और हमें विश्वास है कि हम अपनी क्षमता पर खरा उतरेंगे।

सुविचार

खोल दे पंख मेरे कहता है परिंदा, अभी और उड़ान बाकी है, जमीन नहीं है मंजिल मेरी, अभी पूरा आसमान बाकी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्वास की डोर

अपराधियों में पुलिस का खौफ और आम लोगों में उसके प्रति विश्वास दृढ़ होना चाहिए। आज रोजाना ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जिनसे पता चलता है कि अपराधी तो बेलगाम हो गए हैं और आम लोग 'पुलिस' के नाम से दी जाने वाली 'धमकियों' से भयभीत हो रहे हैं। अपराधियों पर शिकंजा कसने और आम लोगों का विश्वास जीतने के लिए पुलिस को ऐसे कई कदम उठाने की जरूरत है, जिनसे प्रेरित होकर आम लोग उसके 'आंख-कान' बनने के लिए आगे आएं। हाल में साइबर अपराध के जितने भी बड़े मामले सामने आए, उनमें से ज्यादातर में अपराधियों ने पीड़ितों को 'पुलिस' और 'अन्य जांच एजेंसियों' के नाम पर धमकी दी और उसके बाद उनकी ज़िंदगीभर की कमाई लूट ली। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में एक महिला से साइबर अपराधियों ने फोन पर कहा कि 'आपके आधार कार्ड पर एक और मोबाइल नंबर चालू है, जिसका उपयोग गैर-कानूनी गतिविधियों में हो रहा है ... अब पुलिस विभिन्न धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई करेगी!' पुलिस का नाम सुनते ही वह महिला डर गई और उसने किसी तरह एक बड़ी रकम का इंतजाम कर अपराधियों को भेज दी। इसके बावजूद अपराधियों की धमकियां कम नहीं हुईं तो उसने आखिरकार पुलिस की मदद ली। होना तो यह चाहिए था कि वह महिला उस फोन के तुरंत बाद पुलिस की मदद लेती, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। क्यों? ऐसे मामलों में पीड़ित खुद को बेहद डरा हुआ महसूस करता है। साथ ही, इस बात को लेकर मन ही मन में कई तरह के सवालों से घिर जाता है कि अगर मैं पुलिस से मदद मांगने गया/गई, तो किसी मुसीबत में नहीं फंस जाऊंगा/गी?

पुलिस और आम जनता के बीच रिश्तों में 'आशंकाओं' और 'सवालों' का फायदा साइबर अपराधी उठा रहे हैं। इससे उनका नेटवर्क मजबूत होता जा रहा है। निस्संदेह पुलिस में ऐसे कई अधिकारी और कर्मचारी हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और सूझबूझ से साइबर अपराधियों पर खूब सख्ती दिखाई है, साथ ही आम जनता से उनका बर्ताव आदर्श रहा है। देश में जिस तरह से साइबर अपराध बढ़ते जा रहे हैं, अपराधी तत्त्व आम लोगों को लूटने के लिए नई-नई तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं, उसके मद्देनजर बहुत जरूरी है कि पुलिस और जनता का रिश्ता मजबूत हो, आपसी विश्वास बढ़े। आज स्थिति यह है कि अगर किसी सामान्य व्यक्ति को कोई साइबर अपराधी फोन पर पुलिस के नाम से धमकी दे दे तो वह खुद को असहाय पाता है। अगर उस व्यक्ति ने किसी तरह का अपराध किया ही नहीं है, तो उसे क्यों डरना चाहिए? यह स्पष्ट रूप से 'आपसी विश्वास' (पुलिस-आम जनता) की कमी से उपजी स्थिति का परिणाम है। पुलिस के उच्चाधिकारियों को चाहिए कि वे जनता के साथ विश्वास की इस डोर को मजबूत करें और साइबर अपराधियों के नेटवर्क को ध्वस्त करें। लोगों को बताएं कि पुलिस कानून का राज कायम रखने और आपकी मदद करने के लिए है, लिहाजा आपको पुलिस से डरने की नहीं, बल्कि अपनी समस्या उसके साथ साझा करने की जरूरत है। उन्हें यह भी बताएं कि अपराधों पर कड़ा नियंत्रण रखने के लिए आपका (जनता) सहयोग जरूरी है। हाल में साइबर ठगी के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे हैरान कर देनेवाले हैं! वित्तीय वर्ष 2022-23 में देशभर में साइबर ठगी से संबंधित 11.28 लाख मामले दर्ज हुए थे। उस दौरान लोगों को करोड़ों रुपए का चूना लगाया गया था। हालांकि पुलिस के सहयोग से कई लोगों की रकम वापस भी मिली, लेकिन ठगी की तुलना में वह बहुत कम थी। इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस को अत्याधुनिक तकनीक से लैस होना होगा। ऐसी प्रणाली विकसित करनी होगी, जिससे अपराधियों के लिए बचकर निकलना मुश्किल हो और ठगी की पूरी रकम पीड़ित को वापस मिल जाए।

ट्वीटर टॉक

आने वाले 100 दिनों तक भाजपा के हर कार्यकर्ता को अपने लिए नए लक्ष्य बनाने होंगे और उन्हें प्राप्त करना होगा। बीते 10 वर्षों में भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ करोड़ों लाभार्थियों को मिला है। हमें हर लाभार्थी तक पहुंचना है।

-सीपी जोशी

संत सेवालाल जी महाराज की 285वीं जयंती पर दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। संत सेवालाल ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कुरीतियों को समाप्त करने तथा लोकसेवा और मानव कल्याण की दिशा में जो कार्य किए वे सदैव प्रेरणा के समृद्ध स्रोत रहेंगे।

-ओम बिरला

आज पाली स्थित डिस्ट्रिक्ट क्लब में भाजपा परिवार के सम्मानित पदाधिकारियों व राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित बैठक में सम्मलित होकर आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर तय कार्ययोजना व विभिन्न रणनीतियों सहित संगठनात्मक विषयों पर सार्थक चर्चा की।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अपवित्रता से पवित्रता

रामानुज प्रतिदिन मंदिर की परिक्रमा करते और नदी किनारे बैठकर भगवान की साधना में घंटों लीन रहते थे। एक दिन वे मंदिर पहुंचे और तमिल में रचा गया भगवद्भजन गाते-गाते उसकी परिक्रमा में लग गए। अचानक मैले-कुचैले वस्त्र पहने एक महिला उनके सामने आ गई। रामानुज का अहंकार उन पर हावी हो गया।

उन्हें लगा कि यह महिला बिना नहाए-धोए आई होगी। वे क्रोध में भरकर बोले, 'पवित्र मार्ग को क्यों अपवित्र कर रही हो? दूर हटो यहां से।' महिला ठिठककर खड़ी हो गई। धीरे से उसने कहा, 'आप पवित्र हैं, भगवान का यह मंदिर पवित्र है, भक्तों के चरणों के कारण इस मार्ग की धूल भी पवित्र हो गई है, फिर मैं अपनी अपवित्रता लेकर कहां जाऊं, आप ही बताएं?' महिला के शब्दों ने रामानुज को झकझोर डाला। उन्होंने हाथ जोड़कर कहा, 'मां तू ठीक कहती है। वास्तव में मैंने तुझ जैसी निश्छल स्त्री को अपवित्र कहकर घोर अधर्म किया है। मैं तेरी भक्ति की पवित्रता को नहीं पहचान पाया। तूने तो मेरे मन व हृदय की अपवित्रता ही दूर कर दी। मुझे माफ कर दो।'

सामयिक

किसान आंदोलन में छिपा राजनीतिक एजेंडा

आशीष वशिष्ठ
मोबाइल : 99 3624 7777

भारत एक लोकतांत्रिक देश है और संविधान के तहत देश के हर नागरिक को शांतिपूर्ण आंदोलन और प्रदर्शन करने का मौलिक अधिकार है। लेकिन, न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी कानून की गारंटी के लिए आंदोलनरत किसान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें मंगवाने के पक्षधर नहीं दिखते। सरकार बातचीत के माध्यम से समस्या सुलझाना चाहती है। लेकिन किसान नेताओं के तेवरों और मांगों की लंबी सूची के दृष्टिगत इस बात की संभावना न्यून है कि बातचीत से ये मसला निपटेगा। वास्तव में किसान नेता भी जानते हैं कि एमएसपी कानून की गारंटी देना इस सरकार तो क्या किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है। किसानों के असली इरादों को उनकी तैयारियों को देखकर समझा जा सकता है। जिस तरह ट्रैक्टर ट्रालियों में महीनों का राशन और दूसरा जरूरी सामान लेकर वो घरों से निकले हैं, उससे साफ है कि उनकी मंशा समझौते की नहीं, टकराव की है। वो चाहते हैं कि गलती से शासन प्रशासन के हाथों कोई ऐसा काम हो जाए, जिससे वो और उनका पूरा इको सिस्टम सरकार को किसान विरोधी साबित कर सके। ये सारी कवायद चुनाव से पहले माहौल खराब करने और सरकार की छवि को ठेस पहुंचाने की दिखाई देती है।

किसान समस्या का हल चाहते तो बातचीत में विश्वास करते। वो तो दिल्ली की तरफ हजारों की भीड़ लेकर ट्रैक्टर ट्रालियों, गाड़ियों और अन्य साधनों से दिल्ली की ओर ऐसे बढ़े मानो उन्हें किसी विदेशी सरकार से निर्णायक संघर्ष करना है। किसान नेता जब मीडिया या किसी सार्वजनिक मंच से बोलते हैं तो ऐसा व्यवहार करते हैं कि मानो केंद्र सरकार उनकी सबसे बड़ी दुश्मन है। मीडिया से बातचीत के समय किसान नेताओं और उनके समर्थकों की भाषा, बाडी लैग्वेंज और भाषणों की टोन ऐसी होती हैं मानो किसी दुश्मन देश की सरकार को वो चेतावनी दे रहे हों। करोड़ों नागरिकों द्वारा निर्वाचित सरकार, जो बातीचत के लिए हमेशा तैयार है, उसके प्रति किसान नेताओं का अनादर का भाव कदम कदम पर दिखाई देता है।

किसान नेता अपने आंदोलन को अराजनीतिक बताते हैं। लेकिन राजनीतिक संगठनों के साथ उनके रिश्ते जगजाहिर हैं। इसीलिए कहा जा रहा है कि किसान आंदोलन तो बहाना है-असली काम तो मोदी सरकार को हटाना है। लोगों में चर्चा इस बात को लेकर है कि आखिर बिना राजनीतिक दलों के समर्थन के इतना बड़ा आंदोलन इतनी जल्दी कैसे खड़ा हो सकता है। 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर पंजाब के 34 किसान संगठन विरोध कर रहे थे, जबकि यह आंदोलन में मात्र कुछ किसान संगठनों द्वारा ही किया जा रहा है। तो क्या यह सही है कि इस बार का आंदोलन किसी विशेष उद्देश्य से हो रहा है।

भारतीय किसान यूनियन सिद्धूपुर के प्रधान जगजीत सिंह डल्लेवाल इस बार किसान आंदोलन के सबसे प्रमुख चेहरे हैं। जिस तरह पिछली बार गुरुनाम सिंह चढ़नी और राकेश टिकैत थे इस बार डल्लेवाल हैं। उनके मुंह से किसान आंदोलन की सच्चाई निकल गई है। डल्लेवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि राम मंदिर बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ग्राफ बहुत बढ़ गया था, उसे नीचे लाना है। आंदोलन में शामिल पंजाब के किसान नेता तेजवीर सिंह का एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वो किसान आंदोलन के जरिए देश की सरकार बदलने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं वो किसान आंदोलन को विपक्ष की लड़ाई लड़ने वाला भी बता रहे हैं। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं किसान नेताओं को एक बात समझाई गई है कि ये लड़ाई किसानों के अधिकारों और एमएसपी की गारंटी के लिए नहीं है बल्कि इन मुद्दों के नाम पर सरकार को ही बदलना है।

यही नहीं किसान आंदोलन को कवर कर रहे है बहुत से यूट्यूबरों, मीडिया हाउसेस के वीडियो देखने को मिल रहे हैं जिन्हें देखकर आप यही कह सकते हैं कि किसान आंदोलन भ्रमित है या गलत लोगों के हाथ है बहुत से किसान इंडिपेंडेंट पंजाब या खालिस्तान की बात करते हुए मिलते हैं। कुछ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए मिल जाते हैं। इन किसानों के मन में एमएसपी पर गारंटी की डिमांड कम, केंद्र सरकार को बदलने का जज्बा काफी है। इनमें से कुछ को नरेंद्र मोदी के लिए इतनी नफरत भरी हुई जैसे किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने विरोधी दलों के नेताओं के बारे में रखता है। बल्कि राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में भी अपने विरोधी दल के नेता के लिए मरने-मारने की बात नहीं होती। यहां तो किसान मरने-मारने की बात भी कर रहे हैं। पंजाब में पीएम मोदी का काफिला रोकने की जिम्मेदारी लेने वाले संगठन भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी संगठन भी इस आंदोलन में शामिल हैं।

आंदोलन शुरू होने से 2 दिन पहले जिस तरह कांग्रेस नेता राहुल गांधी का ट्वीट किसान आंदोलन को समर्थन करते आ गया था उससे भी इस संदेह को बल मिला कि यह आंदोलन किसानों के अधिकार के लिए नहीं बल्कि मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए ज्यादा है। कांग्रेस नेता रमनदीप सिंह मान पर आरोप है कि वो कांग्रेस और किसान नेताओं के बीच कड़ी का काम कर रहे थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र पांचजन्य के हैंडल ने उनके कई ट्वीट्स की कड़ी का थ्रीड बनाकर अपने हैंडल पर डाला हुआ है। इस थ्रीड से पता चलता है कि कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने किस तरह रमनदीप सिंह के साथ मिलकर किसान आंदोलन को खड़ा किया। जब चार साल पहले तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में राजधानी को लगभग 13 महीने तक बंधक बनाए रखा गया था। धरना-प्रदर्शन और आंदोलन के बहाने अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए किसान संगठनों की ओर से बनाए गए माहौल का ही नतीजा था कि केंद्र सरकार को उन तीन कृषि कानूनों को वापस लेना पड़ा था, जिन्हें कृषि और कृषक समुदाय के लिए क्रांतिकारी माना जा रहा था।

सच्चाई यह है कि पिछली सरकारों ने जो कुछ किसानों की भलाई के लिए किया, वर्तमान सरकार ने उससे बढ़कर ही किया है। आंकड़ें इसके प्रत्यक्ष साक्षी हैं। ये भी सच्चाई है कि किसानों की भलाई के लिए काफी कुछ किया जाना बाकी भी है। असल में, जब आंखों में विरोधी चष्मा चढ़ा हो, और दिमाग में रटी रटाई स्क्रिप्ट तैर रही हो तो बातचीत से मामला हल कहां होने वाला है? सरकार चाहे जितने भी उपाय और मजबूरियां बता दे, किसान नेताओं को तो अपनी बात पर अड़े रहना है। शायइ उनके राजनीतिक आकाओं की ऐसी ही मंशा होगी।

किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। पिछले सात दशक से जिस तरह की कृषि नीति देश में अपनायी गयी है, उन नीतियों से किसानों की स्थिति तो नहीं सुधरी है, न ही उनको उनके उपज का वाजिब दाम ही मिल पाता है। लेकिन किसानों के ही फ़सलों से कृषि तंत्र पर क़ब्ज़ा जमाए बिचौलियों और कारोबारियों की आर्थिक सेहत हमेशा ही बल्ले-बल्ले रही है। कृषि क्षेत्र में सुधार और बिचौलियों को सिस्टम से बाहर करने के लिए ही सरकार तीन नये कृषि कानून लेकर आई थी। लेकिन ये भ्रम फैलाया गया कि नये कानून किसान विरोधी हैं। सरकार ने भी दबाव में आकर कानून वापस ले लिये। जानकारों का मानना है कि, नये कृषि कानून लागू हो गये होते तो किसानों की कई समस्याओं का हल स्थायी तौर पर हो जाता।

किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिले, उनका जीवन सुधरे और वो भी पूरे मान सम्मान के साथ जीवन बिताएं, इसमें किसी को कोई परेशानी नहीं है। किसानों को भी तनातनी और राजनीति छोड़कर बातचीत से मसला हल करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। हिंसा और उपद्रव से किसानों की छवि तो खराब होती ही है, देश के साधनों और संसाधनों का नुकसान होता है। और आम नागरिकों को भी परेशानियां पेश आती हैं। सरकार को सहानुभूति पूर्वक किसानों की व्यावहारिक मांगों को स्वीकार करना चाहिए। शांति और सद्भाव का माहौल ही किसी देश की विकास को गति प्रदान करता है।

नजरिया

अबू धाबी में इतिहास के नए अध्याय का निर्माण

अवधेश कुमार
मोबाइल : 981027208

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक घटना है। किसी इस्लामिक देश में संपूर्ण सनातन रीति-रिवाज से मंदिर का निर्माण, पूजन, प्राण प्रतिष्ठा, उद्घाटन और बिना किसी बाधा के सारे कर्मकांडों का पालन होना सामान्य घटना नहीं है। इस मंदिर के निर्माण की कहानी पढ़ने के बाद लगता है कि असंभव संभव हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी को इस मामले में सौभाग्यशाली मानना होगा कि उनके कार्यकाल में ही इसके लिए जमीन मिली, शिलान्यास हुआ और उन्हें ही इसके उद्घाटन का भी अवसर मिला। उद्घाटन के दौरान अपने भाषण में उन्होंने कहा भी कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अबू धाबी में अक्षरधाम मंदिर के उद्घाटन का साक्षी बना हूं। 20 अप्रैल, 2019 को महंत स्वामी महाराज और प्रधानमंत्री मोदी ने इसका शिलान्यास किया था और लगभग 5 वर्ष बाद दोनों ने इसका उद्घाटन भी किया। 27 एकड़ में फैला यह मंदिर 108 फीट ऊंचा है जिसकी लंबाई 262 फिट एवं चौड़ाई 180 फिट है। इसमें 18 लाख पत्थर की ईंटें लगी है और 30 हजार मूर्तियां हैं। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नह्यान की उदारता का अभिनंदन करना होगा जिन्होंने न केवल इसकी अनुमति दी बल्कि कुल 27 एकड़ जमीन दी तथा हर तरह का आवश्यक सहयोग भी किया। किंतु यह भी सच है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पहल नहीं की होती तो मंदिर का कितने भव्य रूप में सरकार होना संभव नहीं होता।

मंदिर का सपना 1997 में देखा गया था। सच यही है कि मोदी के आने के बाद ही काम आगे बढ़ा। अक्षरधाम मंदिर निर्माण समिति के लोग सरकार से संपर्क करते रहे किंतु ऐसी सफलता नहीं मिली। सन 2015 में प्रधानमंत्री के रूप में मोदी की पहली संयुक्त अरब अमीरात यात्रा के दौरान उन्होंने सही तरीके से इस विषय को रखा और फिर रास्ता निकलने लगा।

अक्षरधाम के दुनिया भर में 1200 मंदिर हैं और सबकी अपनी-अपनी विशेषताएं हैं। किंतु अबू धाबी का मंदिर सबसे विशिष्ट और भविष्य की दृष्टि से विश्व में अलग-अलग संस्कृतियों, सभ्यताओं, मजहबों आदि के बीच संबंध तथा शांति की आशा पैदा करने वाला है। यदि संयुक्त अरब अमीरात जैसे पूर्ण इस्लामी शासन के अंदर वैदिक हिंदू रीति से मंदिर का निर्माण और कर्मकांड संभव है तो यह मानने का कोई कारण नहीं कि मजहबी कट्टरपंथ को समन्वयवादी परस्पर सहकार की दिशा में मोड़ा नहीं जा सकता। मुख्य बात है पहल करने और उसके अनुरूप भूमिका निभाने की। हिन्दू या सनातन संस्कृति की विशेषता ही समन्वयवादी है। इसी में वह क्षमता है जो सभी मजहबों, पंथों, संस्कृतियों-सभ्यताओं के अंदर एक ही भाव को महसूस कर सबके बीच समन्वय और सहयोग कायम करने का नेतृत्व कर सकता है। प्रधानमंत्री ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा भी कि एक ही ईश्वर को, एक ही सत्य को ज्ञानी अलग-अलग तरह से बताते हैं। यह भारत की मूल चेतना का हिस्सा है। हमें विविधता में बैर नहीं लगता, बल्कि विविधता ही विशेषता लगती है। जैसा प्रधानमंत्री ने बताया मंदिर में पग-पग पर विविधता में विश्वास की झलक दिखती है। दीवारों पर इजिप्ट के धर्म और बाइबिल की कहानियां उकेरी गई हैं तो वॉल ऑफ हारमनी को बोहरा समाज ने बनवाया है तथा लंगर की जिम्मेदारी सिख भाइयों ने ली है।

वास्तव में इस मंदिर में हर देवी देवता के मंदिर हैं और उनकी लीलाएं पत्थरों पर मूर्तियों से उतारी गई है। पर इसको इस तरह निर्मित किया गया है कि विश्व का कोई भी मजहब व पंथ इसे अपने से अलग न देखे। मंदिर के निर्माण में हर धर्म के व्यक्ति ने योगदान दिया है। इस मंदिर का निर्माणकर्ता बीएपीएस यानी बचासन वासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामी नारायण संस्था हिंदू संस्था है, जमीन इस्लामी सरकार ने दिया, मुख्य आर्किटेक्ट ईसाई, निदेशक जैन , प्रोजेक्ट मैनेजर सिख ,स्ट्रक्चर इंजीनियर बौद्ध तथा कंस्ट्रक्शन कांट्रैक्टर पारसी रहे। मंदिर की सात मीनारें संयुक्त अरब अमीरात की सात अमीरातों का प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति का उल्लेख करते हुए कहा कि सबके सम्मान का यही भाव हिज हाइनेस शेख जायेद के जीवन में दिखता है। उनका विजन है- वी आर ऑल ब्रदर्स।

संयुक्त अरब अमीरात सात अमीरातों के संग से बना है, इसलिए मंदिर के सात शिखर में सात भारतीय देवता विराजमान हैं, मंदिर में सात गर्भ गृह हैं। अगर भारतीय परंपरा के जानवर गाय, हाथी और मोर है तो अरब देश के ऊंट, रेगिस्तान के बकरी, बाज, फलों में अन्ननाश और खजूर को भी दीवारों में उकेरा गया है।

इस तरह यह मूल रूप से हिंदू मंदिर होने और हिंदुत्व व सनातन की विश्व कल्याणकारी विचार और भूमिका को पूरी तरह प्रभावी तरीके से रखते हुए भी सभी धर्म के प्रति सम्मान की भावना को स्वीकारने व बल देने का स्थल बन सकता है। आखिर संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति ने सब कुछ समझने के बाद ही इसके लिए स्वीकृति दी होगी। ध्यान रखिए, स्वयं अक्षरधाम संस्था ने दो प्रकार के मॉडल बनाए थे। एक संपूर्ण वैदिक हिंदू रिति का था और दूसरा एक समान भवन की तरह दिखने वाला था जिसमें अंदर देवी- देवताओं की मूर्तियां और अन्य चीजें। दूसरे मॉडल में बाहर हिंदू चिह्न नहीं थे। प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि जब यह प्रस्ताव शेख जायेद के पास गया तो उन्होंने कहा कि जो मंदिर बने वह सिर्फ मंदिर न बने, मंदिर जैसा दिखे भी। तो वह यूं ही नहीं हुआ होगा। जिस मजहब में बूतपरस्ती के विरुद्ध इतनी बातें हो वहां उन्हें समझा कर तैयार करना आसान नहीं रहा होगा। निश्चित रूप से हिंदुत्व की व्यापकता, जिसमें पूरे ब्रह्मांड के एक-एक कण के प्रति अपना दायित्व , सबमें एक ही तत्व देखने व सबको सम्मान देने के भाव को सही तरीके से समझाया गया होगा। एक बार अगर उन्हें समझ आ गया कि हिंदुत्व के अंदर किसी दूसरे से घृणा या किसी मजहब को छोटा करने का भाव नहीं है, बल्कि सम्मान का है तो फिर भविष्य में इसका असर केवल विपक्षीय नहीं वैश्विक भी हो सकता है। प्रधानमंत्री ने आशा प्रकट की किक मंदिर मानवता के लिए बेहतर भविष्य के लिए बसंत का स्वागत करेगा। वास्तव में अगर हिंदू धर्म का यह मंदिर अपने उद्देश्य के अनुसार पूरी दुनिया के लिए सांप्रदायिक सौहार्द और वैश्विक एकता का प्रतीक बनने लगा तो सभ्यताओं और मजहबों के बीच टकराव और संघर्ष की तस्वीर बदलने लगेगी।

तो अबू धाबी में मंदिर के उद्घाटन के साथ इतिहास का वह अध्याय आगे बढ़ा है जो हिंदुत्व और भारत राष्ट्र का मूल लक्ष्य रहा है। यानी सभी धर्मों के अंदर एक ही भाव है और जीव-अजीव सबके अंदर एक ही तत्व, इसलिए हमें सबके कल्याण के रास्ते पर चलना है। अब तक संयुक्त अरब अमीरात अपने बुर्ज खलीफा, शेख जायेद मस्जिद और हाईटेक गगनचुंबी भवनों, मौल और मार्केट के लिए जाना जाता था। उसमें अब अबू धाबी का मंदिर भी जुड़ गया है। निश्चय ही न केवल संयुक्त अरब अमीरात और खाड़ी के अन्य देशों से बल्कि विश्व भर से लोग वहां आएंगे और हिंदू धर्म, संस्कृति, सभ्यता की व्यापकता को देखेंगे, समझेंगे। विश्व के दूसरे प्रमुख मजहबों के पूजा स्थलों में इस तरह का व्यापक समन्वयवादी साकार स्वरूप नहीं दिखाई पड़ता। इससे भारतीय संस्कृति-सभ्यता के प्रति उनके मन में सम्मान बढ़ेगा। इससे लंबे समय से हर स्तर के विद्रोहियों द्वारा सनातन और हिंदुत्व के साथ भारत एवं यहां की सभ्यता संस्कृति के बारे में फैलाए गए दुष्प्रचारों का खंडन होगा। यही नहीं इस तरह के स्थलों और विचारों के प्रसार के साथ भारत को विश्व कल्याण की दृष्टि से सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों के बीच समन्वय, सौहार्द्र व बंधुत्व का संस्कार कायम करने के लिए नेतृत्वकारी भूमिका स्वयमेव प्राप्त होगी।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्मॉग टावर, क्लाउड सीडिंग भारत की वायु प्रदूषण समस्या का समाधान नहीं : अमेरिकी वैज्ञानिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। एक वरिष्ठ अमेरिकी वैज्ञानिक का मानना है कि भारत में वायु की गुणवत्ता में सुधार के लिए दीर्घकालिक प्रयास की आवश्यकता है और स्मॉग टॉवर तथा क्लाउड सीडिंग जैसी महंगी प्रौद्योगिकियां देश में मौजूद प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वैश्विक वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य रिचर्ड पेल्टियर ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि यह बात अच्छी तरह पता है कि पूरे भारत में वायु प्रदूषण वास्तव में काफी खराब है लेकिन वायु प्रदूषण निगरानी केंद्रों के सीमित वितरण के कारण सटीकता की कमी है।

जब उनसे पूछा गया कि दिल्ली जैसे शहरों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कितना समय चाहिए, तो उन्होंने अमेरिका का उदाहरण दिया। पेल्टियर ने कहा कि अमेरिका ने 1960 के दशक में स्वच्छ वायु अधिनियम लागू किया था और हाल ही में देश में वायु गुणवत्ता विकसित हुई है जिसे आम तौर पर अच्छा माना जाता है। उन्होंने कहा, इसलिए, यहां तक पहुंचने में 50 या 60 साल लग गए। यह कोई तात्कालिक समस्या नहीं है। यह ऐसा कुछ नहीं है जो एक नियम या एक कानूनी फैसले से हल हो जाएगा। इसमें समय लगता है... यह 100 मीटर की दौड़ से अधिक मैराथन है। समस्या के समाधान में स्मॉग टॉवरों की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर पेल्टियर ने कहा कि ये विशाल वायु शोधक छोटे पैमाने पर काम करते हैं लेकिन लागत और रखरखाव चुनौतियों के कारण पूरे शहरों के लिए अव्यावहारिक हैं। पेल्टियर 'जर्नल ऑफ एक्सपोजर साइंस एंड एनवायर्नमेंटल एपिडेमियोलॉजी' के कार्यकारी संपादक भी हैं। उन्होंने कहा, क्या वे हवा से वायु प्रदूषण हटाते हैं? हां, वे करते हैं। क्या वे हवा से पर्याप्त मात्रा में वायु प्रदूषण हटाते हैं? बिल्कुल नहीं। यह एक बड़ी शक्तिशाली नदी को नहाने के तौलिये से सुखाने की कोशिश करने जैसा है। आप ऐसा नहीं कर सकते। क्लाउड सीडिंग तकनीक से वायु प्रदूषण से निपटने के बारे में वैज्ञानिक ने कहा कि यह ऐसी चीज नहीं है जो टिकाऊ हो और निश्चित रूप से यह दीर्घकालिक समाधान नहीं है। क्लाउड सीडिंग तकनीक के तहत कृत्रिम तरीके से बारिश कराई जाती है। वैज्ञानिक ने कहा, क्या आप सचमुच चाहते हैं कि हवाई जहाज दिन के लगभग 24 घंटे, हर कुछ 100 मीटर की दूरी पर आकाश में उड़ते रहें और बारिश कराने के लिए 'क्लाउड सीडिंग' करते रहें? और फिर क्या आप सचमुच चाहते हैं कि हर दिन बारिश हो? मुझे ऐसा नहीं लगता। यह पूछे जाने पर कि क्या सेंसर और वायु गुणवत्ता निगरानी संस्थानों की कमी के कारण भारत में वायु प्रदूषण की समस्या की गंभीरता को कम आंका गया है, पेल्टियर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि हम इतनी सटीकता से जानते हैं कि प्रदूषण कहां ज्यादा है। संभवतः पूरे भारत में पर्याप्त वायु प्रदूषण निगरानी व्यवस्था नहीं है, विशेष रूप से प्रमुख शहरी क्षेत्रों के आसपास जो हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि हम 100 प्रतिशत आश्वस्त हैं कि हमारा मॉडल सही है। स्वतंत्र विचारक संस्था ग्रीनपीस इंडिया के अनुसार, देश की 99 प्रतिशत से अधिक आबादी पीएम2.5 पर डब्ल्यूएचओ के मानकों से अधिक मानक वाली हवा में सांस लेती है। इसमें कहा गया है कि 62 फीसदी गर्भवती महिलाएं और देश की 56 फीसदी आबादी सबसे प्रदूषित इलाकों में रहती है। पिछले अगस्त में शिकागो विश्वविद्यालय में ऊर्जा नीति संस्थान की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सूक्ष्म कण वायु प्रदूषण (पीएम2.5) भारत में औसत जीवन प्रत्याशा को औसतन 5.3 साल और दिल्ली में 11 साल तक कम कर देता है।

समीक्षा

जम्मू में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्र और केंद्रशासित प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को जम्मू के एम ए स्टेडियम में पीएम मोदी के कार्यक्रम की व्यवस्था की अंतिम समीक्षा करते हुए।

अनुष्ठान प्रार्थना

सोमवार को सूरत के ज्ञानगंगा विद्यालय में छत्रपति शिवाजी महाराज शिव जयंती 2024 की अनुष्ठान प्रार्थना करते हुए ज्ञानगंगा विद्यालय के छात्र ।

फिल्म सुरताल में किरदार चुनौतीपूर्ण : कुंदन भारद्वाज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता कुंदन भारद्वाज का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म सुरताल में उनका किरदार बेहद चुनौतीपूर्ण है।

राम शर्मा फ़िल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनी काजल राघवानी और कुन्दन भारद्वाज स्टारर फिल्म 'सुरताल' की शूटिंग शुरू हो गयी

हैं।इस फिल्म को लेकर अभिनेता कुंदन भारद्वाज ने कहा कि मैंने कई हिंदी फिल्मों और हिंदी टीवी सीरियल में काम किया है, लेकिन मुझे इस किरदार से ज्यादा चुनौतीपूर्ण किरदार कही भी निभाने का मौका नहीं मिला है। ये किरदार अपने आप में एक शक्तिशाली किरदार है, जिससे निभाने में मेरे पसीने छूट गए। क्योंकि किरदार की बॉडी लैंग्वेज समझे के लिए आपको उस किरदार को जीना पड़ता है।तब कही जाकर आप उसे ऑडियंस तक पहुंचते है। सुरताल का कैरेक्टर मुझे वास्तव में बहुत पसंद आया है। और इसे निभाकर मुझे बहुत ही अच्छा महसूस हो रहा है। जल्द ही मेरी कई एक्शन फ़िल्म रिलीज होने वाली है। जिसमें तीन फिल्में मिशन चाइना, देववाणी और मायके रंग(कलर्स ऑफ लव) पेन इंडिया रिलीज की जाएगी। वही काजल राघवानी ने कहा कि मुझे फिल्म करने में बहुत मजा आ रहा है क्योंकि मेरा किरदार मेरी असल लाइफ जैसा ही चुलबुला है। जैसी मैं खुद हूँ। कुंदन के साथ ये मेरी पहली फिल्म है। उनके साथ काम करने में भी मजा आ रहा है। कुंदन बहुत ही टैलेंटेड अभिनेता है। हमारी जोड़ी दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। सुरताल के निर्देशक धनंजय तिवारी, निर्माता एनआरआई राम शर्मा, अनिल गुप्ता हैं। फ़िल्म के मुख्य कलाकर कुंदन भारद्वाज, काजल राघवानी, सौरभ सम्राट, राखी मिश्रा, अनूप अरोरा, राम शर्मा, संजीव सिद्धार्थ, महेश आचार्य, कौशल शर्मा, विजय महादेव गोस्वामी, रागिनी राय, श्रेया पांडेय, मंटू सिंह, इन्द्रसेन यादव, मुन्ना सिंह, सत्या शुक्ला हैं।

दक्षिण कोरिया में सरकारी योजना के खिलाफ चिकित्सकों ने इस्तीफे देने शुरू किए

सियोल। दक्षिण कोरिया में प्रशिक्षु चिकित्सकों ने एक सरकारी नीति के खिलाफ सोमवार को सामूहिक रूप से अपने इस्तीफे देने शुरू कर दिए, जिसके चलते अस्पतालों में सर्जरी और अन्य उपचारों में देरी होने की खबरें मिली हैं। चिकित्सकों का एक समूह और सरकार मेडिकल स्कूलों में दाखिलों की संख्या में 2,000 तक की वृद्धि करने की सरकारी योजना को लेकर आमने-सामने हैं, जो अगले साल से लागू होगी। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि दक्षिण कोरिया में बुजुर्गों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अधिक चिकित्सकों की नियुक्ति जरूरी है। उनका कहना है कि देश जनसंख्या के अनुसार चिकित्सकों की संख्या निर्धारित करने के मामले में विकसित देशों में सबसे पीछे है। लेकिन चिकित्सकों के समूहों का कहना है कि सरकार को चाहिए कि वह पहले उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए चिकित्सा शुल्क बढ़ाए और अन्य समस्याओं को हल करे।

सोमवार को, देश के पांच प्रमुख अस्पतालों में प्रशिक्षु चिकित्सकों ने त्याग पत्र देने शुरू कर दिए हैं। इन चिकित्सकों के संघ 'कोरिया इंटर्न रेजिडेंट एसोसिएशन' ने पिछले सप्ताह एक आपातकालीन बैठक के दौरान सामूहिक रूप से इस्तीफा देने का फैसला किया था।

इमरान की पार्टी ने कहा कि चुनाव में जीते निर्दलीय सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल में शामिल होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ(पीटीआई) ने सोमवार को कहा कि आठ फरवरी को हुए चुनाव में जीत हासिल करने वाले पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल में शामिल होंगे। मुस्लिम बहुल देश में सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल इस्लामी राजनीतिक और धार्मिक दलों का एक गठबंधन है जो सुन्नी इस्लाम के मत के अनुयायियों का प्रतिनिधित्व करता है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर खान ने कहा, नेशनल असेंबली, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा विधानसभाओं में हमारे उम्मीदवार सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल में शामिल होंगे।

पीटीआई द्वारा समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवारों ने संसद में अधिकतम सीटें जीती हैं लेकिन पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएलएन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने घोषणा की है कि वे 8 फरवरी के चुनावों के परिणाम के बाद गठबंधन सरकार बनाएंगे। चुनाव के परिणाम के बाद देश में त्रिशंकु संसद की स्थिति बन गई। चुनाव में जीत दर्ज करने वाले निर्दलीय उम्मीदवारों को परिणामों की अधिसूचना के तीन दिनों के भीतर एक पार्टी में शामिल होना था।

पीएमएल-एन और पीपीपी द्वारा चुनाव के बाद गठबंधन का मतलब यह हो सकता है कि पीटीआई अगली संघीय सरकार बनाने में सक्षम नहीं होगी। खान की पार्टी ने आरोप लगाया कि दोनों प्रतिद्वंद्वी दल जनादेश को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। खान की संकटग्रस्त पार्टी को शनिवार को उस समय बड़ा हौसला मिला जब रावलपिंडी में चुनाव प्रक्रिया के प्रभारी एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने आरोप लगाया कि चुनाव में धांधली हुई है ।

बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया'

मुंबई/एजेन्सी

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2024 की भारतीय हिंदी भाषा की साइंस फिक्शन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें शाहिद कपूर और कृति सेनन ने अभिनय किया है। मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज के तहत निर्मित, यह फिल्म अमित जोशी और आराधना साह द्वारा लिखित और निर्देशित है, जो उनके निर्देशन की पहली फिल्म है। छ45 करोड़ के बजट के साथ, यह फिल्म 9 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फिल्म विज्ञान कथा और रोमांटिक कॉमेडी के अनूठे मिश्रण के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भविष्य की सेटिंग में एक रोमांटिक मुठभेड़ के परिणामों की खोज करती है। शाहिद कपूर और कृति सेनन ने भूमिकाओं में अपना आकर्षण लाते हुए कलाकारों का नेतृत्व किया। फिल्म का निर्माण दिनेश विजन, ज्योति देशपांडे और लक्ष्मण उतेकर द्वारा किया गया था, सिनेमैटोग्राफी खुद उतेकर ने की थी और संपादन मनीष प्रधान ने किया था।

प्रदर्शन के दिन 6 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने वाली इस फिल्म ने अपने 11 दिनों के सफर में कई उतार-चढ़ाव देख लिए हैं। इस फिल्म को निर्माताओं द्वारा वैलेंटाइन वीक के दौरान एक पर एक फ्री के ऑफर से जबरदस्त फायदा हुआ था। जिसके चलते फिल्म ने अपने पहले सप्ताह में 44.35 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली थी।

दूसरे सप्ताह के पहले शुक्रवार को इसके कारोबार में फिर गिरावट आई लेकिन वीकेंड के दोनों दिन शनिवार और रविवार को इसने एक फिर उछाल लेते हुए क्रमश: 5 व 6 करोड़ का कारोबार करते हुए स्वयं को 61.20 करोड़ तक पहुँचाने में सफलता प्राप्त कर ली है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर जहाँ फिल्म ने स्वयं को हिट की श्रेणी में लाने में सफलता प्राप्त की है, वहीं भारत के अतिरिक्त विदेशों में भी फिल्म ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। भारत में जहाँ फिल्म ने 61.20 करोड़ का कारोबार किया वहीं विदेशों में इसने 37 करोड़ का कारोबार करते हुए स्वयं को 98.06 करोड़ तक पहुँचा दिया है। उम्मीद की जा रही है कि दूसरे सोमवार को यह फिल्म 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी।

'मैडनेस मचाएंगे इंडिया को हंसाएंगे' में नजर आयेंगी हुमा कुरैशी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री हुमा कुरैशी सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के नये शो मैडनेस मचाएंगे इंडिया को हंसाएंगे में नजर आयेंगी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन एक नया कॉमेडी शो, 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे!' लॉन्च करने के लिए तैयार है। हुमा क़ुरैशी, इस शो में कॉमेडी चैंपियन की भूमिका निभाएंगी। हुमा कुरैशी ने कहा,कॉमेडी एक यूनिवर्सल स्ट्रेसबस्टर के रूप में काम करती है और हमारा उद्देश्य सरल है: एक समय में एक चुटकुला सुनाना और खुशियां फैलाना। आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, हमारा मानना है कि हर कोई हँसी-मज़ाक से भरे ब्रेक का हकदार है, और मैडनेस मचाएंगे यही देने आ रहा है। हुमा कुरैशी ने कहा,मैं कॉमेडी चैंपियन के रूप में इस शो का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, जिसमें मैं अपने हास्य कलाकारों को अलग-अलग सेगमेंट्स में टास्क के साथ चुनौती दूंगी, जो मजेदार और सरल से लेकर असामान्य स्थितियों तक होंगे, उनकी काबिलियत का परीक्षण करेंगे। हम कॉमेडी और सौहार्द की इस रोमांचक यात्रा पर निकल पड़े हैं। 'मैडनेस मचाएंगे इंडिया को हंसाएंगे' का प्रीमियर जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म बनायेंगे रितेश

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता रितेश देशमुख ,छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म बनाने जा रहे हैं। रितेश देशमुख फिल्म 'राजा शिवाजी' का निर्देशन करने जा रहे हैं,जबकि जेनेलिया देशमुख, ज्योति देशपांडे फिल्म की प्रोड्यूसर हैं।इस फिल्म को जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी द्वारा प्रस्तुत किया गया है।रितेश देशमुख ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म 'राजा शिवाजी' की अनाउंसमेंट की।इसके साथ ही कैप्शन में मराठी में लिखा गया है, इतिहास के गर्भ में एक ऐसी शख़्सियत ने जन्म लिया जिसका अस्तित्व नश्वरता से भी आगे निकल गया। एक छवि, एक किंवदंती, जो ज्वलंत प्रेरणा की एक शाश्वत भट्टी थी। छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक ऐतिहासिक व्यक्ति नहीं हैं। ये साढ़े तीन सौ साल की एक अनुभूति है, असाधारण वीरता की एक चिंगारी है।

राजनीति में कदम रखेंगी ईशा देओल, माँ हेमामालिनी ने दिया संकेत

मुंबई/एजेन्सी

ईशा देओल बीते काफी समय से चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस का भरत तख्तानी से तलाक हो गया है, कपल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट पर अपने तलाक की घोषणा की थी। खबर है कि तलाक के बाद ईशा अपनी दोनों बेटियों के साथ अपनी मां हेमा मालिनी के साथ रहेंगी। अब मां हेमा ने अपनी बेटी ईशा को लेकर एक बड़ा हिंट दिया है, जिससे हलचल मच गई है। हेमा मालिनी ने अपनी बड़ी बेटी ईशा देओल के पॉलिटिक्स जॉइन पर करने टिप्पणी की है। हेमा ने कहा कि कि उनकी बेटी ईशा देओल भी राजनीति में कदम रख सकती हैं। वो बोलीं कि उन्हें भी इसमें दिलचस्पी है।

हेमा मालिनी ने हाल ही में एबीपी न्यूज से बात करते हुए कहा कि मेरा परिवार हमेशा मेरे साथ है। उनकी वजह से मैं यह करने में सक्षम हूं। वे मुम्बई में मेरे घर की देखभाल कर रहे हैं, इसलिए मैं बहुत आसानी से मथुरा आ रही हूं। मैं आती हूं और वापस चली जाती हूं। मैं जो कुछ भी कर रही हूं, उससे धरम जी बहुत खुश हैं और इसलिए वो मेरा समर्थन करते हैं और मथुरा भी आते हैं। वहीं एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि क्या उनकी बेटियां ईशा और अहाना भी राजनीति में आने में दिलचस्पी रखती हैं? इस पर हेमा मालिनी ने कहा कि अगर वो चाहें। लेकिन ईशा को पॉलिटिक्स में रुचि है और उन्हें ये करना पसंद होगा। कुछ सालों में हो सकता है कि वो पॉलिटिक्स ज्वाइन कर भी लें। अब हेमा मालिनी के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक में तहलका मचा दिया है। ईशा देओल और भरत तख्तानी ने एक जॉइन्ट स्टेटमेंट जारी करते हुए लिखा था कि हम दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है। हालांकि अब हम साथ नहीं हैं, लेकिन हमारे लिए हमारे दोनों बच्चों का भविष्य सबसे अहम है और हमेशा रहेगा। उम्मीद करते हैं कि आप लोग हमारी प्राइवसी की रिस्पेक्ट करें। बता दें कि ईशा ने 'धूम', 'ना तुम जानो ना हम', 'एक दुआ', 'नो एंट्री', 'प्यारे मोहन', 'युवा', कोई मेरे दिल से पूछे', 'जस्ट मैरिड', 'काल' जैसी फिल्मों में काम किया है।

हिन्दी बॉक्स ऑफिस पर छायी 'ब्रह्मयुगम'

मुंबई/एजेन्सी

रहस्य रोमांच से भरी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल होती रही हैं, लेकिन डरावनी फिल्मों को सीमित सफलता ही मिलती है। इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर एक ऐसी डरावनी फिल्म ने दर्शकों को अपना दीवाना बनाया हुआ है, जो मूल रूप से मलयालम भाषा में बनी है लेकिन इसे पैन इंडिया के तौर पर हिन्दी में भी प्रदर्शित किया गया है। ममूटी के लाजवाब अभिनय से सजी ब्रह्मयुगम बॉक्स ऑफिस पर अपने झंडे गाड़ चुकी है। पहले से ही सिनेमाघरों में ढेरों ऑप्शंस होने के बाद भी पहले वीकेंड से ही मूवी ने कमाई के मामले में हिन्दी फिल्मों को कड़ी टक्कर दी।

हालिया आंकड़ों के अनुसार ब्रह्मयुगम ने चौथे दिन 3.90 करोड़ की कमाई के साथ अपना वीकेंड खत्म किया। इस कलेक्शन के साथ ममूटी की फिल्म का कलेक्शन 12.80 करोड़ पहुंच गया है। साथ ही फिल्म की वैश्विक स्तर पर कमाई 22 करोड़ से ऊपर हो चुकी है।

गौरतलब है कि फिल्म को 25 करोड़ के बजट में बनाया है। जिस गति से वह घरेलू बॉक्स ऑफिस और वैश्विक स्तर पर कमाई कर रही है उससे यह तो निश्चित है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट हो गई है।

अब देखने वाली बात यह है कि यह अपने पहले सप्ताह में कितना कारोबार करके सुपर हिट और उसके बाद ब्लॉकबस्टर की श्रेणी में आती है। मूवी का खूंखार और डरावना पोस्टर देखने के बाद ट्रेलर ने लोगों को अट्रैक्ट किया था। 15 फरवरी को रिलीज हुई ममूटी की ब्रह्मयुगम को राहुल सदाशिवन ने निर्देशित किया है। फिल्म में अर्जुन अशोकन, सिद्धार्थ भारतन, अमालदा लिज लीड रोल में दिखाई दे रहे हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जिस प्रकार फूलों में सर्वश्रेष्ठ गुलाब होता है वैसे ही गुरुओं में भी सर्वश्रेष्ठ है गुरु राजेन्द्रसूरीश्वरजी। गुरु का उपकार जिस पर हो जाता है उसका कल्याण हो जाता है। गुरु हमेशा पुण्य से व पुण्यशाली को मिलते हैं और जिसको भी मिलते है उसका जीवन सफल हो जाता है। राजेन्द्र सूरी ने जिनशान के लिए अनेक कार्य किए तथा उन्हें अनेक पदवियों से नवाजा गया परन्तु उन्होंने कभी की पद व पदवी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राजेन्द्र सूरी एवं सरल व तपस्वी संत थे।

मुमुक्षु आदित्या का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शसुन जैन महिला महाविद्यालय में सोमवार को मुमुक्षु आदित्या छल्लाणी का सम्मान किया गया। आचार्यश्री आनंदऋषिजी की शिष्या साध्वी पुष्पकुंवरजी की निश्रा में वैरागिन आदित्या का कॉलेज में जैनविद्या विभाग के शोध-प्रमुख साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग से शोध परामर्श लेने के लिए आगमन हुआ।

इस पर प्राचार्या डॉ. एस. पद्मावती और डॉ. धींग ने कॉलेज के अभय सभागार में उनका शॉल, साहित्य, मुक्ताहार और कलम प्रदान करके सम्मान किया। कवि डॉ. धींग के सुझाव पर आदित्या उन्नीसवीं सदी के महान संत-कवि तिलोकऋषिजी के रहस्यमय आगमिक चित्रों पर जैन मानित विश्वविद्यालय, बेंगलूरु से शोधकार्य कर रही हैं। गुरुश्री शांतिविजय जैन कॉलेज की पूर्व छात्रा आदित्या ने बताया कि इससे पूर्व उन्होंने डॉ. धींग के शोधग्रंथ 'समय और समयसार' के आधार पर परीक्षा दी और प्रथम स्थान पाया।

मुमुक्षुओं के सम्मान में वरघोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैनाचार्य तीर्थभद्र सूरीश्वरजी की निश्रा व सूरिकलापूर्ण जन्म शताब्दी उत्सव समिति के तत्वाधान में हाल ही में आचार्य कलापूर्ण सूरीश्वरजी का जन्म शताब्दी उत्सव कुक्स रोड़ स्थित एसपीआर के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मनोज राठौड़ ने आचार्य कलापूर्ण सूरी के जीवन के चमत्कारी प्रसंगों के साथ उनका जीवन चरित्र प्रस्तुत किया। इस मौके पर आचार्यश्री तीर्थभद्र सूरीश्वरजी द्वारा लिखित पुस्तक परभव का परिहार का विमोचन हुआ। मुमुक्षु नमन एवं प्रिया के सम्मान में नॉर्थटाउन बिन्नी से वरघोड़ा निकाला गया। मुमुक्षुओं के परिवारजनों की ओर से उनकी दीक्षा का मुहूर्त प्रदान करने की विनंती की गई जिसके मद्देनजर आचार्यश्री ने 2 मार्च 2025 का मुहूर्त प्रदान किया।

इस मौके पर आचार्यश्री ने कलापूर्णसूरीजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनको अलग-अलग विशेषणों से पहचाना जाता था परंतु उनके परिचय का एक विशेषण यह था कि वे पॉजिटिव ऊर्जा का पावर हाउस थे। उनके पास आने वाले हरेक व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा मिल ही जाती थी। कई लोग मन में नकारात्मक ऊर्जा लेकर आए, उनके पास आते ही उनकी मानसिकता में परिवर्तन आ जाता था। आचार्यश्री ने दृष्टांत देते हुए कहा कि अभी-अभी अयोध्या में राम अपने घर में विराजमान हो गए। वैसे ही जब राम अयोध्या की गद्दी पर आसीन हुए तब इतनी जनभेदनी उपस्थित थी कि उनके परमभक्त हनुमान को भी सभा से बाहर खड़ा रहना पड़ा। जब सबको यह पता चला तो उनको भीतर आने का संदेश दिया गया, उस पर हनुमानजी ने एक ही उत्तर दिया कि भीतर आप जितने खड़े हो, एक ही रामजी के दर्शन कर सकते हैं। यहां बाहर खड़े-खड़े मुझे हजारों लोगों में हजारों रामजी के दर्शन हो रहे हैं, इसलिए मैं बाहर खड़ा हूं। आज यहां उपस्थित इतनी बड़ी जनभेदनी की आंखों में एक नहीं बल्कि हजारों कलापूर्ण सूरी के दर्शन मुझे हो रहे हैं। उन्होंने कहा एक चंद्र 100 साल पहले ऐसा आया, जिसकी कला दिन प्रतिदिन आगे ही बढ़ती गई। आज एक ऐसे कला से परिपूर्ण जैनाचार्य की बात हम कर रहे हैं, जिनके जीवन में साधना, अध्यात्म, प्रेम, मैत्री और प्रभावकता की कला थी। ऐसी अनेक कलाओं से परिपूर्ण फलोदी रत्न, अजातशत्रु, अध्यात्म योगी, भक्तिमार्ग के बादशाह, ध्यान योगी कलापूर्ण सुरीश्वरजी थे। इस अवसर पर 3000 श्रद्धालुओं ने 270 करोड़ नवकार जाप का संकल्प लिया। इस सेशन का संचालन व नवकार के चमत्कारों का वर्णन निमेश राही ने किया। आचार्य कलापूर्ण सूरी के जीवन पर आधारित पिक्चर नमो योगीश्वरम रीलिज हुई। आयोजन के लाभार्थियों एवं सहयोगियों का समिति की ओर से सम्मान किया गया।

मां दुर्गा भक्त मंडल का 1345वां, सुन्दरकाण्ड पाठ सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। 1345वां सुन्दरकाण्ड पाठ रविवार शाम 5 बजे से रजनीकांत तुलसियान केशरी नन्दन निट फेब्रिक के निवास ओडकाडु तिरुपुर मे हुआ। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण करके पाठ चालू हुआ। पाठ मे बालाजी कि कृपा से काफी संख्या मे श्रद्धालु भक्तों ने लाभ लिया।

मां दुर्गा भक्त मंडल कि ओर से उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने रजनीकांत तुलसियान केशरी नन्दन निट फेब्रिक के परिवार का आभार वयक्त किया और बताया कि सात्विक विचारों कि यही प्रेरणा है।

इस अवसर पर मंडल के उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा एवं मंडल के पदाधिकारी, नवीन शर्मा, सुभाष गुप्ता, टिकम, सुभाष, अनिल शर्मा, रवि शर्मा, हीरालाल, नन्दकिशोर पारीक, मनोज व्यास, भागीरथ गुलेरिया, महावीर शर्मा, संदीप, लीलाधर शर्मा, अरविंद सिंह, उमाशंकर सिंह, शंकर लाल पारीक, दिनेश पारीक, सुनिल पारीक, मनोज, रघुवीर, लखन सैन, उदय सैन, गोपाल शाह, कार्तिक शर्मा, आनंद मिश्रा, सीताराम , सुरज, सुरेश शर्मा, सुरेश शर्मा, अरुण पारीक, सज्जन परमानन्दका, पवन परमानन्दका, मनीष, अंकुर, निरज, मोहित, उमेश, इत्यादि उपस्थित थे।

रजनीकांत तुलसियान परिवार ने बताया कि मां दुर्गा भक्त मंडल एक एसी संस्था है जो निस्वार्थ एवं निशुल्क पुरे तिरुपुर जिला मे प्रत्येक रविवार को घर घर जाकर भक्ति कि प्रेरणा देकर सभी को धर्म के मार्ग पे लाने कि प्रेरित करती है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। अबुधाबी (यूएई) में विश्व प्रसिद्ध मंदिर का लोकार्पण प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। यह विशाल मंदिर खाड़ी के देशों सहित विदेश में सबसे भव्य मंदिर है, इसका निर्माण स्वामी नारायण संस्था ने यूएई सरकार के सहयोग से किया है। इस मंदिर के निर्माण में एक शिला साहित्यकार ईश्वर करुण के द्वारा भी लगाई गई। करुण ने अबुधाबी के मंदिर निर्माण स्थल जाकर मंदिर निर्माण के समय विधि-विधान से पूजा उपरांत शिला मंदिर के प्रबंधन को सौंपी थी।

अतिथियों का संघ द्वारा सम्मान किया गया।

महान युग पुरुष थे प्रवर्तक श्री अमर गुरुदेव : डॉ. वरुण मुनि

गुरु अमर पुण्य स्मृति महोत्सव का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण संघीय उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनिजी म. सा. की पावन निश्रा में, डॉ. वरुण मुनिजी म.सा. की सदप्रेरणा से एस एस जैन श्रावक संघ, विल्सन गार्डन के तत्वावधान में गुरु अमर पुण्य स्मृति महोत्सव का मंगलमय आयोजन जैन स्थानक भवन के प्रांगण में किया गया। सुबह नवकार महामंत्र का सामूहिक सस्वर जाप हुआ, जिसमें श्रीसंघ के पदाधिकारियों ने, महिला मंडल की बहनों ने एवं युवक मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ अनेक गुरुभक्तों ने भाग लिया। तत्पश्चात सामायिक दिवस एवं गुणगान सभा का आयोजन हुआ। मुनिश्री रूपेश मुनिजी म.सा. ने गुरुदेव की आरती का गायन करवाया। मंगलाचरण के साथ प्रवचन सभा का शुभारंभ हुआ।

उपप्रवर्तिनी साध्वीश्री मणिप्रभा म.सा. ने अपने मंगलमय उद्बोधन में कहा कि प्रवर्तक गुरुदेवश्री अमर मुनि जी महाराज अपने युग के एक महान संत शिरोमणि महापुरुष थे। उनके प्रवचनों में, उनकी वाणी में गजब का जादू था।

चलते हुए राहगीरों के पांव भी उनकी वाणी सुनकर ठिठक जाते थे। उनका जीवन अनुशासन प्रिय था। समय की पाबंदी, स्पष्टवादिता, कुशल संघ संचालन के विशेष गुण थे। केवल उत्तर भारत ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण जैन जगत पर एवं मानव जाति पर उनका विशेष उपकार रहा है।

डॉ श्री वरुण मुनि जी म.सा ने अपने उद्बोधन में प्रवर्तकश्री अमर मुनिजी म. सा. के ओजस्वी एवं तेजस्वी जीवन पर बहुत ही सुंदर शब्दों में प्रकाश डाला। उन्होंने फरमाया पूज्य गुरुदेव के श्री मुख से 108 मुमुक्षुओं को दीक्षा मंत्र प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। पूज्य गुरुदेव की सदप्रेरणाओं से दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान आदि अनेक राज्यों एवं नगर, उपनगर, महानगरों में स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, धर्मस्थान आदि सैंकड़ों संस्थानों की स्थापना हुई, जो आज भी मानवता की सेवा कर रहीं हैं।

पूज्य श्री अमर गुरुदेव की अमर वाणी से प्रेरित होकर हजारों लाखों लोगों ने व्यसन मुक्त जीवन जीने का संकल्प ग्रहण किया। गुरुदेवश्री ने अनेकों भव्य आत्माओं को जीवन जीने की सही कला का पथ प्रदर्शन किया।

ऐसे महान गुरुदेव की पावन पुण्य स्मृति पर हम उनके श्री चरणों में अपने श्रद्धा पुष्प अर्पित करते हैं। इस अवसर पर साध्वी रत्नाश्री, ऋजुताजी म.सा आदि साध्वीवृंद ने गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किया। गुणानुवाद सभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सामायिक व्रत की आराधना कर अपनी गुरु भक्ति का परिचय दिया। उप प्रवर्तकश्री पंकज मुनिजी के मंगल पाठ के द्वारा धर्मसभा का समापन हुआ। इस अवसर पर चेन्नई, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक एवम तमिलनाडु के अनेकों उपनगरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन पहुंचे।

संघ के अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली एवं मंत्री सज्जनराज बोहरा ने बताया कि विल्सन गार्डन जैन युवक मंडल की ओर से शनिवार को गुरुदेव की पुण्य स्मृति के पावन अवसर पर जीव दया के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री संघ के गौतमचंद मकाणा ने आए हुए अतिथियों का श्री संघ की ओर से अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया।

राधा कृष्ण मंदिर में जागरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के कॉटनपेट स्थित कुमावत समाज में रविवार को जागरण हुआ। जिसमें भामाशाहों ने बढ़ चढ़कर विभिन्न बोलियों में भाग लिया। भजन संध्या के उपरांत सोमवार को भगवान राधाकृष्ण मंदिर का भूमि पूजन किया गया। 22 फरवरी को मंदिर का शिलान्यास किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष मानिकचन्द सिंदड़, बालकृष्णा मेहरोता, राजूराम अडाणिता, सम्पत चांदोरा, चम्पालाल लारना आदि उपस्थित थे।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) मैसूरु के चेयरमैन कांतिलाल जैन, कोषाध्यक्ष विनोद बाकलीवाल, मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने जीतो केकेजी जोन के चेयरमैन अशोक सालेचा से मुलाकात कर आगामी महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्टों व कार्यक्रमों पर चर्चा की । सालेचा ने मैसूरु जीतो के कार्यों की जानकारी लेते हुए उनके कार्य की सराहना की।

अरसीकेरे में हुआ नूतन आराधना भवन का भूमिपूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। शहर के वासुपूज्य जैन श्वेताम्बर संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में नूतन आराधना भवन का पूरे विधिविधान से भूमिपूजन किया गया जिसका लाभ भूरीबाई पुखराज सोलंकी परिवार ने लिया। भूमिपूजन के बाद आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि संसार में यदि जल्दी उन्नति प्राप्त करनी है तो हमें भगवान से निवेदन करना चाहिए वे हमें सेवा का अवसर प्रदान करें। माता पिता की सेवा करनी चाहिए। संतश्री ने कहा कि माता पिता की सेवा करना उन्नति प्राप्त करने का रामबाण औषधि है। माता पिता की जो सेवा करता है उसका हमेशा भला होता है। माता और पिता बालक को व्यक्ति बनाते है और माता पिता की सेवा व्यक्ति को सफल बनाता है। प्रभु भक्ति व माता-पिता की सेवा सफलता की सीढ़ी है।

दुनियाभर की 'खाने की मेज' पर किसी न किसी भारतीय खाद्य उत्पाद की मौजूदगी का लक्ष्य रखें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां चौथे 'ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह' में अपने संबोधन के दौरान 'काला नमक' और 'काला' चाव का जिक्र करते हुए दुनियाभर की 'खाने की मेज' पर किसी न किसी भारतीय खाद्य उत्पाद की मौजूदगी सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित करने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में नए रास्ते तलाशने में किसानों का समर्थन करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने कहा, मैं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्यमियों से विशेष आग्रह करूंगा कि आपको 'जीरो इफेक्ट, जीरो डिफेक्ट' के मंत्र पर काम करना चाहिए। आपको एक ही ध्येय के साथ काम करना चाहिए कि दुनियाभर की खाने की मेज (डायनिंग टेबल) पर कोई न कोई भारतीय खाद्य उत्पाद जरूर हो। उन्होंने सिद्धार्थ नगर के 'काला नमक' चावल और चंदौली के 'काला' चावल जैसे उत्पादों की सफलता की कहानियों पर प्रकाश डालते हुए दुनियाभर में खाने की मेज पर भारतीय खाद्य उत्पादों की मौजूदगी के एक सामान्य लक्ष्य की दिशा में काम करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उप्र में गंगा नदी के किनारे बड़े पैमाने पर प्राकृतिक खेती की जा रही है जो कम लागत में अधिक लाभ देने वाली खेती है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से गंगा जी जैसी हमारी पावन नदियों का जल भी दूषित होने से बच गया।

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में गंगा के किनारे बड़े पैमाने पर की जा रही प्राकृतिक खेती का हवाला देते हुए प्राकृतिक खेती और मोटे अनाज पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया, जिससे न केवल किसानों को लाभ होता है बल्कि पवित्र नदियों की शुद्धता को बनाए रखने में भी मदद मिलती है।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने यहां आयोजित विभिन्न उद्योग समूहों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ और अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री को भगवान गणेश की मूर्ति भेंट करके उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

उद्घाटन

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सोमवार को झारखंड के चतरा में लोगों को पक्का मकान के लिए 'अबुआ आवास योजना' योजना का उद्घाटन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.